卐 श्री सदगुरू देवाय नमः卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐 जय बाबा की 卐卐 श्याम बाबा 卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐
उल्लंघ्य सिन्धोः सलिलं सलीलं,यःशोकवह्निं जनकात्मजायाः आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राञ्जलिराञ्जनेयम्
मनोजवं मारुत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रपद्ये
केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त
हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 26 ♦अंक 92 ♦पृष्ठ 8 ♦रुद्रपुर (ऊधमसिंहनगर) ♦बुधवार ♦7 जनवरी 2026 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

अग्निकाण्ड में तीन घर राख, 14 मवेशी जिंदा जले

तड़के हुआ अग्निकाण्ड, कड़ाके की ठंड में खुले आसमान के नीचे आए तीन परिवार

उत्तरकाशी(उद संवाददाता)। जनपद के सीमांत क्षेत्र मोरी में आग का तांडव एक बार फिर सामने आया है। बुधवार तड़के मोरी तहसील के गुराड़ी गांव में हुए एक भीषण अग्निकांड ने तीन परिवारों के आशियाने उजाड़ दिए। आग की लपटें इतनी भयानक थीं कि घरों के भीतर बंधे 14 मवेशियों को बाहर निकालने तक का मौका नहीं मिला और वे जिंदा जल गए। इस आपदा में पीड़ितों का राशन, बिस्तर और जीवन भर की जमा पूंजी राख के ढेर में तब्दील हो गई है। सुबह 5 बजे जब गहरी नींद में था गांव जानकारी के अनुसार, गुराड़ी गांव में बुधवार सुबह करीब 5:19 बजे अचानक एक घर से आग की लपटें उठने लगीं। जब तक ग्रामीण कुछ समझ पाते, लकड़ी से बने पहाड़ी शैली के तीन आवासीय भवनों ने भीषण आग पकड़ ली। ग्राम प्रधान की सूचना पर राजस्व विभाग, फायर सर्विस, एसडीआरएफ, पुलिस और 108 की टीमें तत्काल मौके के लिए रवाना हुईं। स्थानीय ग्रामीणों और प्रशासन की टीम ने कड़ा संघर्ष कर सुबह करीब 7:35 बजे आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सब कुछ जलकर खाक हो चुका था। इस अग्निकांड में रामचंद्र पुत्र धर्म दत्त की 2 गाय और 1 बैल, भरत मणि पुत्र केदार दत्त की 5 बकरियां और 1 गाय तथा ममलेश पुत्र भरत मणि की 2 भेड़ें, 1 गाय और 2 बकरियां जिंदा जल गईं। तहसीलदार मोरी के मुताबिक, प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। कड़कड़ाती ठंड के बीच इन परिवारों के पास अब न रहने को छत बची है और न ही खाने को अन्न। घटना के तुरंत बाद राजस्व विभाग(शेष पृष्ठ सात पर)

कार खाई में गिरने से पांच पर्यटक गंभीर

नैनीताल (उद संवाददाता)। सरोवर नगरी नैनीताल की वादियों का आनंद लेकर वापस लौट रहे उत्तर प्रदेश के रामपुर निवासी पर्यटकों की कार देर रात हनुमानगढ़ी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। तेज रफ्तार के कारण अनियंत्रित होकर कार करीब 50 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार पांचों दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर अस्पताल पहुँचाया। जानकारी के अनुसार, रामपुर के केशवपुर निवासी तेजेंद्र सिंह अपने चार साथियों करनदीप सिंह, विक्रमजीत सिंह, अकबाल सिंह और हिमांशु के साथ कार संख्या यूपी- 16-एएल-0982 से नैनीताल भ्रमण पर आए थे। देर रात जब वे वापस लौट रहे थे, तभी हनुमानगढ़ी से थोड़ा आगे कार की रफ्तार अनियंत्रित हो गई। अनियंत्रित वाहन सड़क किनारे लगी सुरक्षा रेलिंग को तोड़ते हुए सीधे गहरी खाई में जा गिरा। गनीमत रही कि खाई में नीचे लुढ़कते समय कार एक मजबूत पेड़ के तने से टकराकर अटक गई, जिससे वह और नीचे नहीं गई, अन्यथा जान-माल का भारी नुकसान हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही तल्लीताल पुलिस, एसडीआरएफ और दमकल विभाग की टीमें राहत एवं बचाव कार्य के लिए मौके पर पहुँचीं। करीब एक घंटे तक चले (शेष पृष्ठ सात पर)

महापौर की पहल पर मस्जिदों से उतरे लाउडस्पीकर

पुलिस और निगम की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई

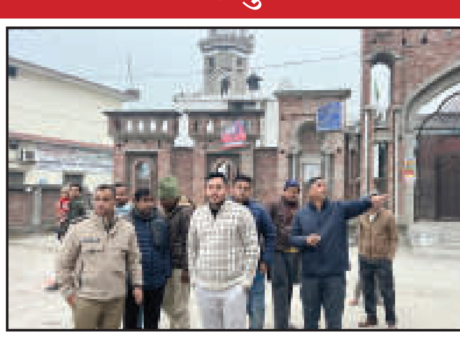

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। शहर में ध्वनि प्रदूषण को रोकने और उच्च न्यायालय के आदेशों का सख्ती से पालन कराने के लिए महापौर विकास शर्मा के संज्ञान पर नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। महापौर के कड़े रुख के बाद टीम ने शहर की विभिन्न मस्जिदों में निर्धारित डेसिबल से अधिक आवाज में बजाए जा रहे लाउडस्पीकरों को उतरवा दिया। इस दौरान धार्मिक संस्थाओं को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि यदि भविष्य में मानकों का उल्लंघन हुआ तो और भी वैधानिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।बता दें कि पिछले कुछ समय से विभिन्न बस्तियों के नागरिकों द्वारा महापौर विकास शर्मा को शिकायतें मिल रही थीं कि कई धार्मिक स्थलों पर मानकों के विपरीत अत्यधिक तेज आवाज में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग किया जा रहा है। इन शिकायतों में नागरिकों ने बताया(शेष पृष्ठ सात पर)

ज्वलंत मुद्दों पर सीएम बुलायें विशेष सत्र: कापड़ी

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। वर्तमान में प्रदेश में उठ रहे ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री को विधान सभा का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। इसके लिए मुख्यमंत्री को पत्र भी दिया गया है। पत्रकारों से बातचीत करते प्रदेश विधानसभा के उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी ने कहा कि प्रदेश आज अनेक गंभीर व जनहित से जुड़े कई मुद्दों से जूझ रहा है। जिससे राज्यवासियों में चिंता व असंतोष है। उन्होंने कहा कि आज से कई दशक पूर्व तत्कालीन सरकार ने कई गरीब लोगों को वनभूमि में बसाकर उन्हें खेती व रोजगार करने के अवसर दिये थे। ताकि देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिले। ऐसे लोगों को वनवासी का दर्जा दिया गया। श्री कापड़ी ने कहा कि वर्ष 1980 में कई राज्यों में ऐसे कई ग्रामों को राजस्व ग्राम का दर्जा भी दिया गया। लेकिन राज्य गठन के बाद उत्तराखण्ड इसमें पीछे रहा गया। आज भाजपा सरकार ऐसे लोगों को वनभूमि पर (शेष पृष्ठ सात पर)

संदिग्ध हालातों में फंदे पर लटका मिला युवक

किच्छा। कोतवाली क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में बरेली का युवक महिला किराएदार के कमरे में दुपट्टे का फंदा लगा झूलता मिला। घटना की जानकारी पर आस पास के लोगो ने दरवाजा तोड़ उसे सीएचसी किच्छा में भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बरेली यूपी के सुभाष नगर बेनीपुर निवासी 22 वर्षीय एक युवक अभिषेक कुमार पुत्र अरविन्द किच्छा के बंडिया क्षेत्र में किराए पर रहकर सिडकुल की एक कम्पनी में नौकरी करता था। इस दौरान परिजन किसी मामले को लेकर उसे अपने साथ बरेली वापस ले गए। पुलिस के मुताबिक मंगलवार शाम वह बरेली से किच्छा आया और अपने पुरानी मकान मालिक जमीला बेगम के घर पर किराए पर रहने वाली महिला के कमरे में गया। इस महिला के पति ने उसे छोड़ रखा है। जब युवक वहां पहुंचा तो इस दौरान वह महिला कही काम से गयी थी। कमरे का दरवाजा खुला देख वह अंदर कमरे में गया और उसे अंदर से बंद कर लिया। शाम को जब महिला(शेष पृष्ठ सात पर)

भागवत कथा वाचक पर झोंका फायर, बाल-बाल बचे

शक्तिफार्म/सितारगंज (उद संवाददाता)। शक्तिफार्म क्षेत्र में मंगलवार शाम उस समय सनसनी फैल गई, जब बैकुंठपुर निवासी प्रसिद्ध भागवत कथा वाचक और

बंगाली कल्याण समिति के आंचलिक अध्यक्ष रामचंद्र राय पर अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने रामचंद्र राय पर असलहे से फायर करने की कोशिश की, लेकिन गनीमत रही कि फायर मिस हो गया और एक बड़ी अनहोनी टल गई। इस घटना के बाद से क्षेत्र के लोगों में भारी आक्रोश और दहशत का माहौल है। पीड़ित रामचंद्र राय ने बताया कि वे प्रतिदिन की तरह बैकुंठपुर से गोविंद नगर सीमा तक शाम की परिक्रमा कर वापस लौट रहे थे। इसी बीच एक सुनसान रास्ते पर घात लगाए बैठे दो बदमाशों ने (शेष पृष्ठ सात पर)

डायनामिक गार्डन सिटी के बिल्डरों पर धोखाधड़ी का केस

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। किच्छा रोड स्थित डायनामिक गार्डन सिटी में प्लॉट आवंटन के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बिल्डरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि प्लॉट की पूरी रकम लेने के बाद भी बिल्डरों द्वारा न तो रजिस्ट्री की जा रही है और न ही पैसा वापस दिया जा रहा है। पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल घुड़सवार नईम खान और मोहम्मद यार खान ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उन्होंने वर्ष 2023 के पूर्व डायनामिक गार्डन सिटी में प्लॉट संख्या 189 बुक करवाया था। उन्होंने अपनी पुश्तैनी जमीन बेचकर और बैंक से कर्ज लेकर प्लॉट की कुल कीमत 28 लाख 11 हजार रुपये बिल्डरों को अदा की थी। पूरा भुगतान होने के बाद कंपनी द्वारा मार्च 2023 में अलॉटमेंट लेटर भी जारी कर दिया गया। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि उस समय उक्त प्लॉट विकास प्राधिकरण और रेरा से स्वीकृत था। तहरीर के अनुसार, जब उन्होंने प्लॉट की रजिस्ट्री के लिए बिल्डर सुधीर गुलाटी और मनीष अग्रवाल से संपर्क किया, तो वे टालमटोल करने लगे। (शेष पृष्ठ सात पर)

‘कांग्रेस’ के दुष्प्रचार पर ‘सीएम धामी का काउंटर अटैक’

वायरल ऑडियो के बाद अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर खड़े किए गए सियासी तूफान के बीच मुख्यमंत्री ने तोड़ी चुप्पी, पत्रकार वार्ता में अंकिता भंडारी मामले पर खुलकर बोले सीएम, अंकिता को बताया अपनी बेटी

-अर्श-

देहरादून। सूबे के मुखिया पुष्कर सिंह धामी ने अंकिता भंडारी हत्याकांड से संबंधित एक ऑडियो वायरल होने के बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस तथा क्षेत्रीय पार्टी उत्तराखंड क्रांति दल एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा हत्याकांड में तथाकथित वीआईपी की संलिप्तता को लेकर प्रदेश भर में खड़े किए गए राजनीतिक तूफान से उत्पन्न नॉरेटिव को काउंटर करने एवं हत्याकांड को लेकर अपनी सरकार निशाने पर लेने वाले दुष्प्रचारको की जुबान पर ताला लगाने के लिए पूरी तरह कमर कस ली है। बीते रोज राजधानी में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में राज्य के मुख्यमंत्री धामी ने अंकित भंडारी हत्याकांड से संबंधित विभिन्न पहलुओं एवं संपूर्ण मामले पर सरकार के रुख पर विस्तार से प्रकाश डाला। हालांकि, पत्रकार वार्ता वीबी जी रामजी योजना को लेकर आयोजित की गई थी ,मगर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब अंकिता भंडारी हत्याकांड से संबंधित प्रश्न सामने आए, तो मुख्यमंत्री ने इस मसले पर खुलकर बात करते हुए अपना दिल खोल कर रख दिया। अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर मुख्यमंत्री से 22 मिनट के दौरान 14 सवाल पूछे गए। मुख्यमंत्री ने हर प्रश्न का जवाब बड़े विस्तार से दिया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री कई बार यह कहते सुने गए कि

आज वह हर सवाल का जवाब देंगे।लगभग 22 मिनट तक चली प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीएम धामी ने इस पूरे मामले पर अंकिता हत्याकांड प्रकरण की शुरुआती दौर से हुए घटनाक्रम के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि उनके मुख्यमंत्री रहते हुए ही यह मामला सामने आया था और सरकार ने इस पर तत्काल एक्शन लेते हुए वह कार्रवाई की जो एक जघन्य अपराध में हो सकती है, मगर फिर भी कुछ लोग बार-बार इस मामले को लेकर संगठन और सरकार पर उंगलियां उठ रहे हैं। सीएम धामी ने कहा कि पहले भी सरकार और एजेंसियां लोगों से आग्रह करती रही है कि अगर किसी के पास इस मामले में कोई भी सबूत हैं तो वह सामने आकर दे सकते हैं। उनके नाम को गोपनीय रखा जाएगा। लेकिन अब तक कोई सामने नहीं आया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह से अब एक नया नाम वायरल ऑडियो क्लिप के माध्यम से सामने आ रहा है और उसे ऑडियो कॉल में कई तरह की बातें की जा रही हैं। अगर इसमें कोई सत्यता है तो सरकार हर जांच के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में जिस तरह का माहौल एक ऑडियो क्लिप के माध्यम से बनाया जा रहा है, वह सही नहीं है। ऑडियो क्लिप में किसी का भी नाम किसी से ले देना और उसके बाद राज्य में इस तरह से माहौल बना देना, यह राज्य के हित में बिल्कुल भी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस ऑडियो क्लिप के हवाले से इतना हल्ला मचाया जा रहा है, उसमें कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। कभी इसको हत्या बताया जा रहा (शेष पृष्ठ सात पर)

साक्ष्य देने अभिनेत्री उर्मिला सनावर पहुंची देहरादून

एसआईटी से निस्पक्ष जांच कर अंकिता को न्याय दिलाने का आह्वान, दर्शन भारती बने सहारा

देहरादून(उद संवाददाता)। आखिरकार अंकिता भंडारी हत्याकांड से संबंधित विवादित ऑडियो-वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाली अभिनेत्री उर्मिला सनावर 10 दिन की लुकाछिपी के बाद आखिरकार देहरादून पहुंच गई हैं। वह आज (बुधवार) को एसआईटी के सामने पेश हो सकती हैं। इससे पहले सनावर ने यहां आने की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट से दी थी।पोस्ट में लिखा कि वह एसआईटी जांच के लिए तैयार हैं। वहीं देहरादून पहुंचने पर मीडिया के सवाल पर उर्मिला ने कहा कि वह अंकिता को न्याय दिलाने के लिए सबूत लेकर आई है उनके खिलाफ जो केस दर्ज किये गये वह निराधार हैं। अभिनेत्री उर्मिला सनावर ने ऑडियो और वीडियो वायरल कर अंकिता हत्याकांड में राजनेताओं के नामों का जिक्र किया था। इन ऑडियो-वीडियो के वायरल होने के बाद अंकिता हत्याकांड में वीआईपी के नाम का खुलासा और सीबीआई जांच के लिए

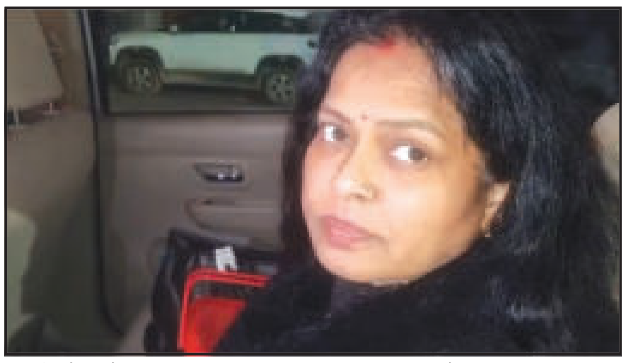

प्रदर्शन तेज हो गए। इस बीच गत 25 दिसंबर को हरिद्वार और देहरादून में उर्मिला सनावर के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज की गईं। इन ऑडियो और वीडियो की फॉरेंसिक जांच भी कराई जा रही है। साथ ही पूरे मामले की जांच के लिए एसपी सिटी हरिद्वार के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन भी किया गया है। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद सनावर की ओर से कुछ दिन तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।इस बीच एक दिन उर्मिला ने एसएसपी देहरादून के नाम लिखी एक चिट्ठी वायरल की जिसमें अपनी जान को खतरा बताया था। हालांकि पुलिस की ओर से इस पर कोई बयान जारी नहीं किया गया। अब पूरे 10 दिन के बाद उर्मिला की एक सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट वायरल हुई जिसमें उन्होंने उत्तराखंड आने की बात लिखी है। लिखा है कि पूरे साक्ष्यों के साथ वह अंकिता को न्याय दिलाएंगी और एसआईटी जांच के लिए तैयार हैं। उर्मिला ने यह मांग भी इस पोस्ट में की है कि उनके दिए साक्ष्यों से कोई छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। उत्तराखंड रक्षा अभियान के अध्यक्ष स्वामी दर्शन भारती ने बताया कि उर्मिला सनावर ने खुद की जान को खतरा बताया था। ऐसे में उन्हें भरोसा दिलाया गया कि उनके साथ कोई अप्रिय घटना नहीं होने दी जाएगी। इसी आश्वासन के बाद वह उनके (स्वामी दर्शन भारती) के साथ देहरादून एसआईटी के सामने पेश होने पहुंची हैं। भारती ने बताया कि इस मामले में वह पुलिस अधिकारियों के साथ भी संपर्क में बने हुए हैं। उत्तराखंड में चर्चित अंकिता भंडारी मर्डर केस नया मोड़ ले सकता है। सोशल मीडिया पर भाजपा नेताओं पर गंभीर आरोप लगाने वाली उर्मिला सनावर देहरादून पहुंच गई है। बीती देर रात पुलिस के दो अधिकारियों ने उर्मिला से पूछताछ भी की है। देर रात दो पुलिस अधिकारियों ने दर्शन भारती के घर उर्मिला से 1 घंटे तक पूछताछ की। पूछताछ में एक महिला अधिकारी भी मौजूद रही। उर्मिला सानवार से बुधवार को एसआईटी टीम पूछताछ करेगी। गौरतलब है कि अंकिता हत्याकांड के सिलसिले में उर्मिला ने वीआईपी को लेकर सोशल मीडिया पर कई ऑडियो और वीडियो पोस्ट किए थे। वायरल किए ऑडियो-वीडियो की सत्यता की जांच के लिए एसआईटी उन्हें फॉरेंसिक लैब भेजेगी। मीडिया से बातचीत में दर्शन भारती ने भी बड़ा खुलासा किया है। दर्शन भारती ने कहा कि पूर्व विधायक सुरेश राठौड़ के कहने पर उर्मिला सनावर ने सोशल मीडिया पर ऑडियो वायरल की थी। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि उर्मिला सनावर सुरक्षित है और पुलिस की निगरानी में है।

सुरेश राठौर की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

नैनीताल। अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी का नाम उजागर करने के आरोपी भाजपा के पूर्व विधायक सुरेश राठौर के खिलाफ हरिद्वार और देहरादून जिले में दर्ज चार एपआईआर में से दो पर उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। अदालत ने सरकार को जवाब दाखिल करने के निर्देश भी दिए हैं।हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता हरिद्वार के धर्मेंद्र कुमार और यमकेश्वर की पूर्व जिला पंचायत सदस्य आरती गौड़ को भी नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की एकलपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार बीजेपी के पूर्व विधायक सुरेश राठौर और उर्मिला सनावर के खिलाफ हरिद्वार के झबरेड़ा, बहादराबाद और देहरादून की नेहरू कॉलोनी, डालनवाला में यह कह कर एफआईआर दर्ज की गई थी कि आरोपितों ने भाजपा के उत्तराखंड प्रभारी दुष्यंत गौतम की छवि खराब करने के लिए फेसबुक सहित सोशल मीडिया पर वीडियो और ऑडियो वायरल किए जा रहे हैं। इसकी वजह से उनकी छवि धूमिल हो रही है। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। याचिकाकर्ता सुरेश राठौर ने इन एफआईआर को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

गांव के विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा वीबी-जी राम जी अधिनियम : सीएम

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मीडिया सेंटर, सचिवालय में मीडिया से वार्ता करते हुए विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जी राम जी अधिनियम) को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह नया अधिनियम केवल मनरेगा का नाम बदलना नहीं, बल्कि ग्रामीण रोजगार नीति की संरचनात्मक पुनर्रचना है। जिससे कि ग्रामीण क्षेत्र एवं इकाइयां मजबूत हो सकेंगी। उन्होंने इसे गांव को विकसित बनाने के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम किसानों को सुरक्षा, श्रमिकों को रोजगार, महिलाओं को सम्मान, गांवों का विकास और विकसित गाँव के माध्यम से विकसित भारत के लिए मजबूत नींव बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम जी, विकास आधारित गारंटी प्रदान के साथ अब ग्रामीण परिवारों को 100 की जगह 125 दिन के रोजगार का अधिकार प्रदान करेगा। जो पहले से 25% अधिक होगा। इसके तहत 15 दिन में काम नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता अनिवार्य रूप से दिए जाने की व्यवस्था बनाई गई है, साथ ही इसके लिए अधिकारी की जिम्मेदारी भी तय की गई है। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था के तहत दिए जाने भुगतान साप्ताहिक होगा और विलंब होने पर मुआवजे का प्रावधान किया गया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम जी के तहत होने वाले कार्यों में तकनीक आधारित पारदर्शिता रखी गई है। इसमें बायोमेट्रिक हाजिरी, जियो-टैगिंग और GIS मैपिंग, मोबाइल ऐप और सार्वजनिक डैशबोर्ड,एआई आधारित फ्रॉड डिटेक्शन, साल में दो बार अनिवार्य सोशल ऑडिट जैसे विभिन्न तकनीकों के प्रयोग का प्रावधान किया गया है। इन सभी तकनीकों का प्रयोग इस योजना को भ्रष्टाचार-मुक्त रोजगार गारंटी योजना बनाता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम जी में किसान हितों की स्पष्ट रूप से सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। खेती के बुवाई और कटाई के मौसम में अधिकतम 60 दिन तक योजना के काम कानूनी रूप से रोके जा सकेंगे। जिससे किसानों को मजदूरों की कमी नहीं होगी एवं खेती की लागत भी नहीं बढ़ेगी साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था संतुलित रहेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम जी के तहत ग्राम पंचायत और ग्राम सभा को असली ताकत प्रदान की गई है। उन्होंने कहा इस योजना में काम थोपे नहीं जाएंगे बल्कि विकास कार्यों का चिन्हीकरण ग्राम सभा द्वारा ही

तय किया जाएगा। उन्होंने कहा कम से कम 50% कार्य सीधे ग्राम पंचायतों के स्तर पर कराए जा सकेंगे। इसके तहत जॉब कार्ड, पंजीकरण, योजना निर्माण जैसे कार्य ग्राम सभा के स्थानीय स्तर पर तय होंगे।मुख्यमंत्री ने कहा वीबी-जी राम जी के तहत काम की गुणवत्ता और उपयोगिता का विशेष प्रावधान रखा गया है। इसके तहत अब जल संरक्षण, ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका परिसंपत्तियाँ, आपदा प्रबंधन के अंतर्गत आने वाले कामों को किया जाएगा। जिसमें मुख्य रूप से तालाब, चेकडैम, स्टॉपडैम, सड़क, नाली, स्कूल, अस्पताल, एसएचजी शेड, स्किल सेंटर, हाट, रिटेनिंग वॉल, ड्रेनेज, पिचिंग जैसे कार्य होंगे। इससे सबको काम भी मिलेगा और गाँव भी मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने कहा वीबी-जी राम जी के तहत महिला सशक्तिकरण पर विशेष फोकस किया गया है। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी बहनों के लिए स्किल सेंटर, शेड निर्माण, ग्रामीण हाट आदि बनाए जाएंगे जिससे महिलाओं को गाँव में ही रोजगार मिलेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि वीबी-जी राम जी के अंतर्गत प्रशासनिक ढांचे को मजबूती प्रदान की गई है। उन्होंने कहा ग्राम रोजगार सहायक, फील्ड असिस्टेंट, तकनीकी सहायक आदि इस योजना की रीढ़ हैं। इनके प्रशिक्षण, मानदेय और निगरानी के लिए प्रशासनिक खर्च 6% से बढ़ाकर 9% किया गया है। जिसके कारण काम की गुणवत्ता बढ़ेगी, भुगतान समय पर होगा एवं निगरानी मजबूत हो सकेगी।मुख्यमंत्री ने कहा वीबी-जी राम जी के अंतर्गत निष्पक्ष वित्तीय प्रबंधन पर भी ध्यान दिया गया है। इसमें सामान्य राज्यों के लिए 60:40 का अनुपात एवं हिमालयी और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 90:10 का अनुपात किया गया है। इसके तहत अब स्पष्ट वार्षिक बजट का प्रावधान होगा जिसमें पहले अनिश्चितता रहती थी। मुख्यमंत्री ने कहा इस अधिनियम के अंतर्गत उत्तराखंड जैसे हिमालयी राज्य को केंद्र सरकार द्वारा 90 प्रतिशत वित्तीय सहयोग मिलेगा, जिससे राज्य पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा और ग्रामीण क्षेत्रों का विकास और तेजी से होगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि VBG RAMG उत्तराखंड राज्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पर्वतीय और आपदा-संवेदनशील राज्य के रूप में उत्तराखंड में जल संरक्षण, आपदा प्रबंधन और ग्रामीण अवसंरचना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह अधिनियम उत्तराखंड के गाँवों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने के साथ ही ग्रामसभाओं के विकास को और मजबूती प्रदान करेगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि ैठप् द्वारा किए गए विश्लेषण के अनुसार इस अधिनियम से राज्यों को करीब 17,000 करोड़ का शुद्ध लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा यह योजना गरीब-विरोधी नहीं, बल्कि गरीबी के मूल कारणों पर प्रहार है। मुख्यमंत्री ने कहा टठ-ळ तड ळ में श्रमिकों को ज्यादा दिन का काम मिलेगा, तय समय पर वेतन मिलेगा, कानूनी जवाबदेही तय और तकनीक आधारित पारदर्शिता होगी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, विधायक दलीप रावत मौजूद रहे।

मानव-वन्यजीव संघर्ष पर नियंत्रण के प्रभावी प्रयास करने के दिए निर्देश

वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ मानव जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखंड राज्य वन्यजीव बोर्ड की 22वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री ने मानव-वन्यजीव संघर्ष की बढती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके नियंत्रण के लिए और अधिक प्रभावी कदम उठाए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भालू, गुलदार, बाघ तथा हाथी से संबंधित क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाई जाए और वन विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग, डिजिटल निगरानी और अर्ली वार्निंग सिस्टम को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित ग्रामों में सोलर फेंसिंग, बायो-फेंसिंग, हनी बी फेंसिंग, वॉच टावर एवं अन्य सुरक्षात्मक उपाय अनिवार्य रूप से स्थापित किए जाएँ। उन्होंने ग्रामीणों को सतर्कता और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता शिविरों के आयोजन और रैपिड रिस्पॉन्स टीम को निरंतर सक्रिय रखने के भी निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में हाथी एवं बाघ कॉरिडोर सहित सभी वन्यजीव कॉरिडोरों के संरक्षण को शीर्ष प्राथमिकता दी जाए। वन्यजीवों के आवागमन वाले मार्गों पर एनिमल पास, अंडरपास और ओवरपास निर्माण की व्यवस्था को और प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि वर्तमान वन्यजीव संरक्षण नियमों या प्राविधानों में संशोधन की आवश्यकता हो, तो संबंधित विभाग आवश्यक परीक्षण कर संशोधन प्रस्ताव शीघ्र शासन को भेजें।बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जिला स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में वन्यजीव समन्वय समिति को सक्रिय बनाए रखने के साथ ही संवेदनशील जिलों, ब्लॉकों एवं ग्रामों की हॉट स्पॉट मैपिंग तत्काल पूरी की जाए। उन्होंने स्कूलों, आंगनबाड़ियों, जलस्रोतों और पैदल मार्गों के आसपास सुरक्षा प्रबंध मजबूत करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस कचरा प्रबंधन को सख्ती से लागू किया जाए, ताकि भालू और अन्य वन्यजीव आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आकर्षित न हों।मुख्यमंत्री ने कहा कि ईको-टूरिज्म व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए रिजर्व फॉरेस्ट के अलावा प्रदेश की वाइल्डलाइफ सेंचुरी एवं कंजरवेशन रिजर्व क्षेत्रों में भी कार्य किये जाएं। मानव वन्यजीव संघर्ष को कम करने तथा जन सुरक्षा की दृष्टि से टेरिटोरियल फॉरेस्ट डिविजन में पशु चिकित्सकों की व्यवस्था भी की जाए।बैठक में वन भूमि हस्तांतरण से संबंधित कुल 9 प्रस्तावों पर सहमति प्रदान की गई। इनमें जनपद रुद्रप्रयाग स्थित केदारनाथ वन्यजीव अभयारण्य

की 4 विविध पेयजल योजनाएं और 2 पेयजल योजनाएं, राजाजी नेशनल पार्क क्षेत्र से जुड़ी 2 मोटरमार्ग योजनाएं तथा रामनगर वन प्रभाग से संबंधित एक ऑप्टिकल फाइबर प्रस्ताव शामिल है। इसके अलावा संरक्षित क्षेत्रों की 10 किलोमीटर परिधि में उपखनिज चुगान से जुड़े 22 प्रस्तावों को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड के विचारार्थ संदर्भित किए जाने का निर्णय लिया गया।वन मंत्री श्री सुबोध उनियाल ने कहा कि राज्य वन्यजीव बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय वन्यजीव संरक्षण और मानव सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक समग्र और दूरदर्शी कदम हैं, जिनसे उत्तराखंड में वन्यजीव प्रबंधन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी।बैठक में उत्तराखंड राज्य वन्यजीव बोर्ड की 21वीं बैठक में लिए गए निर्णय पर की गई कार्यवाही की जानकारी देते हुए प्रमुख वन संरक्षक श्री रंजन कुमार मिश्र ने बताया कि चौरासी कुटिया के पुनर्विकास, मंसादेवी मन्दिर एवं पहुंच मार्ग में आपदा से हुई क्षति के कार्यों के पुन:निर्माण के प्रथम चरण, ऋषिकेश नीलकंठ महादेव रोपवे परियोजना के निर्माण एवं लालढ़ांग -चिल्लरखाल वन मोटरमार्ग के विशेष पुनरूद्वार के लिए स्टैंडिंग कमेटी राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। जुलाई 2025 से दिसबंर 2025 तक वन भूमि हस्तान्तरण के 56 प्रस्तावों के वाइल्डलाईफ मैनेजमेंट प्लान स्वीकृत किये गये हैं, जबकि 29 प्रस्तावों पर अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गत किये गये हैं। वन्यजीवों द्वारा मानव मृत्यु के प्रकरणों पर अनुग्रह राशि 6 लाख से बढ़ाकर 10 लाख की गई है। 32 वन प्रभागों के अन्तर्गत मानव -वन्यजीव संघर्ष पर त्वरित कार्यवाही के लिए 93 क्यू.आर.टी का गठन किया गया है। पिथौरागढ़, चम्पावत और रुद्रप्रयाग में वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर की स्थापना हेतु केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को प्रस्ताव भेजने की भी स्वीकृति दी गई है। बैठक में राज्य वन्यजीव बोर्ड के सदस्य विधायक दीवान सिंह बिष्ट, सुरेश सिंह चौहान, बंशीधर भगत, प्रमुख सचिव वन आर.के. सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक रंजन कुमार मिश्र, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ अन्य सदस्यगण एवं वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

जमरानी बांध विस्थापितों के पुनर्वास को लेकर कवायद तेज

तीसरी श्रेणी के विस्थापितों को आवास के बदले नकद धनराशि देने के प्रस्ताव पर हुई चर्चा

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। मंगलवार को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व व प्रशासक जमरानी बांध परियोजना विस्थापन समन्वय समिति शैलेन्द्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में हल्द्वानी सर्किट हाउस में विस्थापन समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न हुइ। बैठक में समिति में सभी प्रभावित 6 गांवों के प्रतिनिधियों के साथ ही परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक में प्रभावितों के विस्थापन संबंधित विभिन्न प्रकरणों में विचार विमर्श किया गया। तथा जमरानी बांध परियोजना के विस्थापितों हेतु उधमसिंह नगर के परागफार्म में दी जा रही भूमि एवं आवासीय कालोनी का भी समिति के सदस्यों व विभागीय अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया गया।अपर जिला अधिकारी ने अवगत कराया कि जमरानी बांध परियोजना अंतर्गत क्षेत्र के 6 गांव प्रभावित हैं, जिनके विस्थापन हेतु पुनर्वास योजना स्वीकृत की गई है। विस्थापित लोगों को तीन श्रेणी में स्थापित किया जाना है।

प्रथम श्रेणी में 213 परिवार वह है जिनकी भूमि 50 प्रतिशत से अधिक व आवासीय मकान डूब क्षेत्र में आ रहे हैं, इन सभी प्रभावितों को परागफार्म में । एकड़ कृषि भूमि खेती के लिए तथा 200 वर्ग मीटर का आवासीय प्लाट दिया जा रहा है।द्वितीय श्रेणी में कुल 871 परिवार वह हैं जिनकी 50% से कम भूमि परियोजना में आ रही है ऐसे सभी प्रभावितों को भूमि का मुआवजा दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त तृतीय श्रेणी में वह लोग हैं जो प्रथम श्रेणी के प्रभावितों के।8 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चे हैं इन्हें पराग फार्म में 50 वर्ग मीटर का बना बनाया घर दिया जाना है। बैठक में इन्हीं तीसरी श्रेणी के लोगों को घर दिए जाने के संबंध में चर्चा की गई जिसमें अपर जिला अधिकारी के गांव से आए समिति के सदस्यों से पराग फॉर्म में बना बनाया आवास के स्थान पर 6 लाख रुपए आवास बनाने हेतु दिए जाए तो उसमें उनकी राय ली गई। इस संबंध में गांवों से आए सदस्यों द्वारा अवगत कराया कि उक्त सम्बन्ध में गांव में सभी प्रभावितों के साथ बैठक कर चर्चा करते हुए जो भी निर्णय होगा, उससे अवगत कराया जाएगा।बैठक में जमरानी बांध परियोजना के महाप्रबंधक महेश खरे,उप महाप्रबंधक ललित कुमार, बीपी पांडे परियोजना प्रबंधक हिमांशु पंत सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। इसके उपरांत समिति के सदस्यों व अधिकारियों द्वारा परागफॉर्म में बंद रही आवासीय कालोनी एवं आवंटित की जाने वाली भूमि का स्थलीय निरीक्षण भी किया गया।

दुग्ध संघ संचालक और उनकी पत्नी पर बाघ ने किया हमला

गूलरभोज (उद संवाददाता)। हरिपुरा जलाशय के समीप बाइक सवार दंपति पर बाघ के हमले से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि बाघ की छलांग से बाइक आगे निकल गई, जिससे दूध संघ के संचालक और उनकी पत्नी की जान बाल-बाल बच गई। घटना के बाद से पीड़ित दंपति और ग्रामीण गहरे खौफ में हैं।जानकारी के अनुसार, तिलपुरी निवासी और दुग्ध संघ के क्षेत्रीय संचालक चंद्रशेखर द्विवेदी अपनी पत्नी चित्रा द्विवेदी का हल्द्वानी से इलाज करवाकर वापस घर लौट रहे थे। जब वे बाइक से टांडा मार्ग होते हुए हरिपुरा जलाशय के जीरो पॉइंट के पास जंगल के किनारे पहुंचे, तभी झाड़ियों में घात लगाकर बैठे बाघ ने उन पर अचानक हमला कर दिया। चंद्रशेखर द्विवेदी ने बताया कि बाघ ने उनकी चलती बाइक पर छलांग मारी, लेकिन उनकी किस्मत अच्छी थी कि बाइक की रफ्तार तेज होने के कारण वह बाघ के पंजे की जद में आने से बच गए।घटना के बाद से उनकी पत्नी चित्रा द्विवेदी बुरी तरह दहशत में हैं। चंद्रशेखर द्विवेदी ने बताया कि गांव के समीपवर्ती जंगल होने के कारण अब जंगली जानवरों का रुख आबादी वाले क्षेत्रों की ओर बढ़ गया है। आए दिन बाघ और अन्य हिंसक जानवरों की आवाजाही से क्षेत्र में जान-माल का खतरा बना हुआ है। इस घटना की सूचना उप प्रभागीय वन अधिकारी शशि देव को दे दी गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए और हिंसक जानवरों से बचाव के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

एमपी हिंदू इंटर कॉलेज के खेल मैदान में चूहों का आतंक

रामनगर (उद संवाददाता)। नगर के प्रतिष्ठित एमपी हिंदू इंटर कॉलेज के क्रीड़ा मैदान की स्थिति इन दिनों बदहाल हो चुकी है। मैदान में चूहों के आतंक के कारण जगह-जगह गहरे और बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे यहाँ अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों की सुरक्षा पर संकट खड़ा हो गया है। इस गंभीर समस्या को लेकर कॉर्बेट अकादमी के कोच मोहम्मद इसरार अंसारी ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए खेल मैदान के रखरखाव पर सवाल उठाए हैं। कोच इसरार अंसारी ने बताया कि इस ऐतिहासिक मैदान में नियमित रूप से स्थानीय प्रतियोगिताओं के साथ-साथ जिला और राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं। वर्तमान में मैदान की हालत इतनी खराब है कि खेल के दौरान गेंद इन गड्ढों में समा जाती है, जिसे ढूंढना भी मुश्किल हो जाता है। इससे न केवल खेल का स्तर गिर रहा है, बल्कि खिलाड़ियों के नियमित अभ्यास में भी बाधा आ रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि मैदान में दौड़ते समय बच्चों के पैर इन गड्ढों में फंसकर मुड़ रहे हैं, जिससे उन्हें मोच और गंभीर चोटें लग रही हैं। यदि जल्द ही इन गड्ढों को नहीं भरा गया, तो यहाँ कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है। कोच ने आगे कहा कि इसी मैदान से प्रशिक्षण प्राप्त कर कई युवा खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं, लेकिन अब असुरक्षित माहौल के कारण उनका भविष्य दांव पर है। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन और स्कूल प्रबंधन से मांग की है कि चूहों की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए और मैदान की मरम्मत कराई जाए। साथ ही उन्होंने स्थानीय निवासियों से भी अपील की है कि वे घरों से पकड़े गए चूहों को खेल मैदान में न छोड़ें, क्योंकि इससे स्थिति और अधिक भयावह होती जा रही है। इस प्रकरण पर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी आलोक उनियाल ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने आश्वासन दिया कि खेल मैदान की स्थिति का निरीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी और संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर समस्या का त्वरित समाधान निकाला जाएगा।

कोहरे के कारण पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली, कैंटर से टकराकर उड़े परखच्चे

गदरपुर (उद संवाददाता)। बुधवार सुबह घने कोहरे के बीच नेशनल हाईवे पर एक बड़ा सड़क हादसा होने से टल गया। ननकपुरी टांडा से पराली (पुआल) भरकर काशीपुर जा रही एक ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक को नींद आने के कारण अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और सामने से आ रहे कैंटर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर के परखचे उड़ गए, हालांकि गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 8:00 बजे जब क्षेत्र में घना कोहरा छाया हुआ था, तब ननकपुरी टांडा निवासी इसरार ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर काशीपुर की ओर जा रहा था। जैसे ही वह दिनेशपुर अंडरपास के ऊपर पहुंचा, अचानक चालक को नींद की झपकी आ गई। अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर डिवाइडर को फांदते हुए दूसरी दिशा में काशीपुर की ओर से आ रहे कैंटर से जा भिड़ा। ट्रैक्टर कैंटर के पिछले टायर से टकराया, जिससे कैंटर का टायर फट गया और कमानी के टुकड़े-टुकड़े हो गए। हादसे के बाद कैंटर चालक रईस अहमद ने इंसानियत दिखाते हुए तुरंत वाहन से उतरकर ट्रैक्टर में फंसे चालक इसरार को बाहर निकाला। लेकिन चालक ने बाहर निकलते ही मदद करने वाले रईस अहमद से गाली-गलौज शुरू कर दी और उससे उलझने लगा। मौका देखकर ट्रैक्टर चालक वहां से फरार हो गया। इसके बाद उसने ननकपुरी टांडा निवासी ट्रैक्टर मालिक को घटना की सूचना दी, जो करीब 10:30 बजे मौके पर पहुंचे। दुर्घटना के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

ढिकुली में सिंचाई नहर पर अवैध कवरिंग को लेकर उपजा विवाद

रामनगर (उद संवाददाता)। ग्रामसभा ढिकुली में सिंचाई नहर के ऊपर की जा रही कवरिंग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ग्राम प्रधान पति जगदीश छिम्वाल ने इस मामले में उप जिलाधिकारी (एसडीएम) प्रमोद कुमार और लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को लिखित शिकायती पत्र सौंपकर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में कहा गया है कि क्षेत्र के कुछ रिसॉर्ट स्वामी अपने निजी रास्तों के लिए सिंचाई नहर को अवैध रूप से पाट रहे हैं, जिससे भविष्य में बड़ी आपदा का खतरा पैदा हो गया है। प्रधान पति जगदीश छिम्वाल ने बताया कि बरसात के दिनों में नहर में पानी के साथ भारी मात्रा में कूड़ा-कचरा और झाड़ियां बहकर आती हैं। नहर के ऊपर अवैध पुलिया या कवरिंग बनाने से पानी का प्राकृतिक बहाव बाधित हो जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बहाव रुका तो नहर का पानी ओवरफ्लो होकर आसपास के ग्रामीण घरों में घुस जाएगा, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में भी ऐसी घटनाओं के कारण ग्रामीणों को काफी क्षति उठानी पड़ी है। यह पूरी कवायद केवल व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को लाभ पहुँचाने के लिए की जा रही है, जो जनहित के विरुद्ध है। शिकायत में लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अजय कुमार जॉन द्वारा नियमों के विरुद्ध एनओसी जारी की गई, जबकि एनओसी देने का अधिकार केवल देहरादून स्थित विभाग प्रमुख (एचओडी) स्तर पर है। आपत्ति के बाद सिंचाई विभाग ने लोक निर्माण विभाग को कार्य रोकने का पत्र भेजा, लेकिन इसके बावजूद बिना वैध अनुमति के कार्य पूरा कर दिया गया। जगदीश छिम्वाल ने इसे सरकारी अतिक्रमण करार देते हुए कहा कि यदि प्रशासन ने गरीबों के अतिक्रमण हटाए हैं, तो रसूखदारों द्वारा जनहित को नुकसान पहुँचाने वाले इन निर्माणों पर भी तत्काल कार्रवाई कर उन्हें ध्वस्त किया जाना चाहिए। इस पूरे प्रकरण पर एसडीएम प्रमोद कुमार का कहना है कि संबंधित नहर कवरिंग का निर्माण जिला योजना के बजट से लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे सिंचाई विभाग के साथ समन्वय बनाकर और भूमि की विधिवत पैमाइश करने के बाद ही कोई कार्य करें। एसडीएम ने आश्वासन दिया कि नियमों के उल्लंघन की जांच की जाएगी और यदि कोई दोषी पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

कोहरे की आड़ में वारदात की फिराक में घूम रहा शातिर गिरफ्तार

पुलिस ने तमंचा और कारतूस सहित दबोचा

गदरपुर (उद संवाददाता)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधम सिंह नगर द्वारा ठंड के मौसम में चोरी और लूट की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए दिए गए निर्देशों के बाद गदरपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने घने कोहरे का फायदा उठाकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे एक शातिर अभियुक्त को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है।जानकारी के अनुसार, बुधवार तड़के जब पूरा क्षेत्र घने कोहरे की चादर में लिपटा हुआ था, तभी पुलिस टीम गश्त और चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान शिवनगर (भाखड़ा पुल) से साबरी ईंट भट्टा जाने वाले मुख्य मार्ग पर एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देख छिपने का प्रयास करने लगा। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान 26 वर्षीय राजू राय पुत्र दीपांकर राय, निवासी दुर्गा मंदिर नंबर-04, वार्ड नंबर-05, शक्तिफार्म, थाना सितारगंज के रूप में हुई है।पुलिस ने जब अभियुक्त की तलाशी ली तो उसके कब्जे से एक अदद 12 बोर का तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने स्वीकार किया कि वह घने कोहरे का लाभ उठाकर लूट या चोरी की घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है और पूर्व में भी चोरी व नकबजनी के मामलों में जेल जा चुका है। पुलिस अब उसके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।इस मामले में कोतवाली गदरपुर में आरोपी के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संजय पाठक, कांस्टेबल कुंदन सिंह, जीवन फुलेरा और उमेश जोशी शामिल रहे।

ट्रक की टक्कर से बाईक सवार बीमा एजेन्ट की मौत

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। मंगलवार की रात्रि दिनेशपुर मार्ग पर ट्रक की टक्कर से बाईक सवार बीमा एजेन्ट की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। जानकारी के अनुसार किच्छा निवासी करन कुमार पुत्र झुंडे लाल रूद्रपुर में रहकर एक इंश्योरेंस कम्पनी में सर्वे का काम करता था। बताया जाता है कि मंगलवार की रात्रि वह एक आवश्यक कार्य के लिए बाईक पर सवार होकर दिनेशपुर की ओर जा रहा था। मार्ग में अशोक लीलेंड कम्पनी के पास दिनेशपुर की ओर से आ रहे ट्रक ने उसकी बाईक को टक्कर मार दी। जिससे करन बाईक पर से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए तत्काल जिला चिकित्सालय ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़ मौके से फरार हो गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया। जानकारी मिलते ही मृतक करन के परिजन भी आ गये और उनमें कोहराम मच गया।

अंकिता को न्याय दिलाने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध:धामी

माता-पिता की भावनाओं के अनुरूप होगा अगला निर्णय

देहरादून (उद संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान अंकिता भंडारी प्रकरण पर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि उत्तराखंड की बेटी अंकिता को न्याय दिलाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है और इस दिशा में सरकार ने पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ कार्य किया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जघन्य अपराध की निष्पक्ष एवं गहन जांच के लिए महिला अधिकारी श्रीमती रेणुका देवी की अध्यक्षता में विशेष जांच दल का गठन किया गया था, जिसने मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की। सरकार की सशक्त और प्रभावी न्यायालयीय पैरवी के परिणामस्वरूप तीनों दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है।उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी की जांच पर न केवल निचली अदालत, बल्कि माननीय उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय ने भी संतोष व्यक्त किया है, जो जांच की निष्पक्षता और मजबूती को दर्शाता है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि वर्तमान में किसी कथित ऑडियो क्लिप के आधार पर प्रदेश में अनावश्यक माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि न्यायिक प्रक्रिया पूरी गंभीरता से अपने निष्कर्ष तक पहुंच चुकी है और दोषियों को कड़ी सजा मिल चुकी है।सीबीआई जांच के विषय पर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यद्यपि पूरे प्रदेश की जनता की भावनाएं बेटी अंकिता के साथ जुड़ी हुई हैं, लेकिन इस दुखद घटना से सबसे अधिक प्रभावित उसके माता-पिता हैं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं अंकिता के माता-पिता से बात करेंगे और उनकी भावनाओं, पीड़ा एवं अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए ही आगे कोई निर्णय लिया जाएगा।मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और न्याय के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उत्तराखंड बोर्ड : 2.16 लाख परीक्षार्थी देंगे परीक्षा, प्रदेशभर में बनाए गए 1261 केंद्र

नकल रोकने को मोबाइल और स्मार्ट वॉच पर पूर्ण प्रतिबंध

रामनगर (उद संवाददाता)। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस वर्ष प्रदेशभर से कुल 2 लाख 16 हजार 121 परीक्षार्थी इन परीक्षाओं में सम्मिलित होंगे। परिषद के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी ने आंकड़ों की जानकारी देते हुए बताया कि हाईस्कूल में 1,12,679 और इंटरमीडिएट में 1,03,442 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। हाईस्कूल में संस्थागत छात्रों की संख्या 1,10,573 व व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की संख्या 2,106 है, जबकि इंटरमीडिएट में 99,345 संस्थागत और 4,097 व्यक्तिगत परीक्षार्थी अपनी किस्मत आजमाएंगे।बोर्ड परीक्षाओं के सफल और सुचारु संचालन के लिए राज्यभर में कुल 1261 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं, जिनमें इस वर्ष 24 नए केंद्र भी शामिल किए गए हैं। सुरक्षा और शुचिता के लिहाज से परिषद ने 156 केंद्रों को संवेदनशील और 6 केंद्रों को अति संवेदनशील की श्रेणी में रखा है। अति संवेदनशील केंद्रों में सर्वाधिक 4 केंद्र हरिद्वार जनपद में हैं, जबकि पिथौरागढ़ और अल्मोड़ा में 1-1 केंद्र चिन्हित किया गया है। इन केंद्रों पर निगरानी के लिए जिला प्रशासन का विशेष सहयोग लिया जाएगा।परिषद सचिव ने स्पष्ट किया कि

परीक्षाओं को नकलविहीन बनाने के लिए कड़े नियम लागू किए गए हैं। परीक्षा कक्ष के भीतर परीक्षार्थियों के लिए मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ, ईयरफोन या किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले जाना पूरी तरह वर्जित रहेगा। यदि कोई परीक्षार्थी इन नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की प्रयोगात्मक परीक्षाएं, आंतरिक मूल्यांकन एवं प्रोजेक्ट कार्य 16 जनवरी 2026 से शुरू होकर 15 फरवरी 2026 तक संपन्न करा लिए जाएंगे। इसके उपरांत मुख्य लिखित परीक्षाएं 21 फरवरी 2026 से प्रारंभ होंगी और 20 मार्च 2026 तक चलेंगी। शिक्षा परिषद का दावा है कि बोर्ड परीक्षाओं को पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी जनपदों में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

सड़क खुदाई में लापरवाही पर कमिश्नर सख्त, लगाया जुर्माना

अधिकारियों को लगाई फटकार छह माह से अधूरे पड़े कार्यों पर जताई नाराजगी

हल्द्वानी(उद संवाददाता)। आयुक्त/सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत ने मंगलवार को उत्तराखण्ड अर्बन सेक्टर डेवलेपमेंट एजेन्सी (यू.यू.एस.डी.ए) के द्वारा हल्द्वानी नगर सीवर, पेयजल के लिए जो सड़कें खोदी गई हैं उन्हें समयसीमा के भीतर पूर्ण नहीं करने पर कड़ी आपत्ति जताई, उन्होंने मौके पर कहा कि कार्य पूर्ण नही होने पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायेगी।आयुक्त ने एडीबी के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देश दिये जिन मार्गों पर सड़क की खुदाई का कार्य किया जा रहा है उक्त मार्ग को तत्काल पुनः स्थापित (रिस्टोर) किया जाए। मौके पर जिन मार्गों पर कार्य हो रहा था साइनेज बोर्ड नही होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने एडीबी के प्रोजेक्ट मैनेजर को फटकार लगाते हुये कहा कि भविष्य में जहां भी कार्य होगा वहां पर बोर्ड लगाया जाए उसमें कार्य कम प्रारम्भ हुआ, कार्य कब समाप्त होगा तथा सम्बन्धित अधिकारी का मोबाइल नम्बर अवश्य हो जिससे कि आम आदमी को समस्या होने पर अवगत करा सकता है। उन्होंने निरीक्षण के दौरान प्रोजेक्ट मैनेजर एडीबी को निर्देश दिये कि सम्बन्धित ठेकेदार द्वारा जो घोर लापरवाही की गई है उसके विरूद्व नियमानुसार पेनाल्टी लगाई जाए। आयुक्त ने कहा कि काफी बार चेतावनी देने के पश्चात भी कार्यवाही नहीं होने पर प्रोजेक्ट मैनेजर को फटकार लगते हुये कहा कि भविष्य में जो भी बैठकें होंगी वह कार्यालय में नही होंगी जिन क्षेत्रों में कार्य चल रहा है उसी स्थान पर होगी। निरीक्षण के दौरान पार्षद एवं स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि उनके क्षेत्र में जो सड़क खोदी गई हैं, लगभग 6 माह से खोदी है जिस पर कोई कार्य नहीं हुआ है। आयुक्त ने मौके पर एडीबी के अधिकारियों को निर्देश दिये कि नियमित कार्यों की निगरानी की जाए। आयुक्त ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि अमरावती मुख्य मार्ग पर जो भी सड़क के किनारे ठेले लगाये जाते हैं उन्हें तत्काल मार्ग से हटाया जाए ताकि ठेले मार्ग पर लगने से आवागमन हेतु आम आदमी को परेशानी होती है साथ ही दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है।आयुक्त के निरीक्षण के दौरान जिन क्षेत्रों पर सडक खोदी गई थी मौके पर कोई भी मजदूर कार्य करता नही मिला जिस पर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। वर्तमान में हल्द्वानी शहर में सीवरेज एवं पेयजल एवं सडक मार्ग बनाने हेतु यू.यू.एस.डी.ए द्वारा तिरूपति एजेन्सी को कान्ट्रेक्ट दिया गया है तिरूपति एजेन्सी द्वारा अन्य 22 कान्ट्रेक्टरों को ठेका दिया हुआ है। स्थलीय निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने सड़क दुर्घटना में पीड़ित परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और दुख व्यक्त किया और कहा कि उन्हें हर सम्भव मदद दिलायी जायेगी।निरीक्षण के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, प्रोजेक्ट मैनेजर ब्रिडकुल कुलदीप सिंह, एसपी सिटी मनोज कतियाल, पार्षद चंदन मेहता, विनोद दानी के साथ ही स्थानीय लोग उपस्थित थे।

ओखलकांडा के दूरस्थ क्षेत्र में लगा सरकारी शिविर

मौके पर ही निपटाईं जन समस्याएं गुलदार के आतंक और पेयजल लाइनों की खराब गुणवत्ता पर ग्रामीणों ने जताया रोष

ओखलकांडा (उद संवाददाता)। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे आमजन तक पहुंचाने के लिए कालाआगर प्राथमिक विद्यालय में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम के तहत बहुद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। अपर जिलाधिकारी प्रशासन विवेक राय की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में दूरस्थ और पर्वतीय क्षेत्रों के ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया गया। अपर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं जनता के द्वार तक पहुंचाएं ताकि किसी को छोटे कार्यों के लिए जिला मुख्यालय के चक्कर न काटने पड़ें।शिविर में विभिन्न विभागों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। ग्राम विकास और पंचायत राज विभाग की ओर से 23 बीपीएल प्रमाण पत्र जारी किए गए। स्वास्थ्य विभाग ने 120 लोगों की शुगर व बीपी जांच कर निशुल्क दवाइयां वितरित कीं। समाज कल्याण विभाग ने वृद्धावस्था और दिव्यांग पेंशन के आवेदन प्राप्त किए, जबकि बाल विकास विभाग ने मातृ वंदना और नंदा गौरा योजना के लाभार्थियों को लाभान्वित करने के साथ ही पुष्टाहार का वितरण किया। कृषि विभाग ने 21 किसानों की सम्मान निधि से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया और उद्यान विभाग ने किसानों को बीज व कृषि यंत्र किट वितरित किए।इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में सक्रिय आदमखोर गुलदार को पकड़ने या मारने की मांग प्रमुखता से उठाई। इसके साथ ही जल जीवन मिशन के तहत बिछाई जा रही पेयजल लाइनों की खराब गुणवत्ता और कालागर पंपिंग योजना में हो रही देरी पर भी भारी नाराजगी व्यक्त की गई। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं और विभागीय अधिकारियों को इन समस्याओं के तत्काल समाधान के निर्देश दिए। शिविर में भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा, ब्लॉक प्रमुख केडी रुवाली, दर्जा राज्य मंत्री शांति मेहरा, उपजिलाधिकारी अंशुल भट्ट, तहसीलदार मनीष बिष्ट, खंड विकास अधिकारी देशराज सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भर्ती पूर्व प्रशिक्षण 12 से

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। पूर्व सैनिको के पुत्रो को सेना /अर्द्धसैनिक बलो एवं पुलिस बल में भती हेतु भर्ती पूर्व प्रशिक्षण का संचालन आगामी 12 जनवरी से 8 मार्च तक किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने बताया कि 56 दिन का यह प्रशिक्षण जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अल्मोड़ा में किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त दस्तावेजो के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर अपने दस्तावेज जमा करे। उन्होंने बताया अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण के लिये आयु 17 से 21 वर्ष तक होनी जरूरी है,शैक्षिक योग्यता 10वी पास 45 प्रतिशत अंको के साथ हो, वजन 46 किग्रा व सीना 77/82 सेमी. होना चाहिए। उन्होंने बताया अभ्यर्थी को चिकित्सा प्रमाण पत्र (सरकारी अस्पताल द्वारा प्रमाणित), अभिलेख कार्यालय से जारी आश्रित प्रमाण पत्र, 10वीं पास की मार्कसीट या सार्टिफिकेट जिसमे जन्मतिथि अंकित हो, इंडिमिनिटी बॉन्ड फार्म, दो पासपोर्ट साईज फोटोग्राफ के साथ दिनांक 08 जनवरी 2026 तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय ऊधम सिंह नगर में सम्पर्क करें। पिता की डिस्चार्ज सार्टिफिकेट में पुत्र का नाम होना अनिवार्य है।

SAHAS Homeo
साहस होम्यो मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक
जर्मन तथा सभी प्रकार के होम्योपैथिक व बायोकैमिक दवाईयों के विक्रेता

डॉ. यश पाण्डेय
होम्योपैथिक फिजिशियन
बी.एच.एम.एस., जयपुर
चर्म रोग | गुर्दा रोग | पेट रोग
गुदा रोग | लिवर सम्बन्धि रोग
अन्य रोग • स्पान्डीलाइटिस • श्वास रोग • मोटापा • दमा • प्रोस्टेट • माइग्रेन • टान्सिल • एलर्जी • ब्रोनकाइटिस
बच्चों के रोग • पेट का दर्द • अपच • कान में संक्रमण / दर्द • खांसी • जुकाम • निमोनिया • बुखार • दांत निकलना
साहस होम्यो क्लीनिक
निकट गुरुद्वारा, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी
मो. 9456727473, 9410514531 शनिवार अवकाश

प्रकाश पर्व पर धूमधाम से निकाला नगर कीर्तन

गुरु गोविंद सिंह प्रकाशोत्सव पर आयोजित भव्य नगर कीर्तन का जयकारों से जोरदार स्वागत

गदरपुर(उद संवाददाता)। दशमेश गुरू श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को समर्पित महान नगर कीर्तन का आयोजन श्रद्धा भावना से किया गया। से पूर्व गुरुद्वारा साहिब ग्राम कनकटा में गुरु ग्रंथ साहिब जी की पालकी सजाई गई, जिसके सम्मुख पांच प्यारों की मौजूदगी में मुख्य सेवादार भाई सुरेंद्र सिंह द्वारा राजपुरा नंबर 1, बजर पट्टी,बिजली घर कॉलोनी,मजरा शीला,ग्राम लखनऊ मोड़, सकैनिया मोड होते हुए मुख्य बाजार के रास्ते गुरुद्वारा सिंह सभा गदरपुर में शाम गया। अकाल गतका अखाड़ा गदरपुर की टीम द्वारा हैरत अंगेज शस्त्र विद्या के कर्तव्य दिखाए गए जिसका लोगों द्वारा सतनाम वाहेगुरु का जाप करते हुए में विभिन्न प्रकार के प्रसाद एवं गुरु के लंगर के अलावा चाय/दूध आदि का प्रसाद वितरण किया गया। नगर कीर्तन में श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल गदरपुर,श्री सहित विभिन्न संगठनों के अलावा ग्राम मजरा सीला में मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा भी नगर कीर्तन में पुष्प वर्षा एवं प्रसाद वितरण करते हुए

प्रकाश पर्व का जगह जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया। श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को समर्पित हर वर्ष की भांति आयोजित किये जा रहे नगर कीर्तन का शुभारंभ गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा गदरपुर की कमेटी द्वारा सकैनिया क्षेत्र के गुरुद्वारा साहिब ग्राम कनकटा से करवाया गया। नगर कीर्तन गुरबाणी पाठ और भाई राजेंद्र सिंह द्वारा नगर कीर्तन की आरंभता की अरदास की गई तथा 'बोले सो निहाल,सत श्री अकाल' का जयकारा बोलकर नगर कीर्तन को शुरू किया गया। नगर कीर्तन गुरुद्वारा ग्राम कनकटा से चलकर सकैनिया/कुआंखेड़ा मोड, राजपुरा फॉर्म,राजपुरा नंबर दो एवं कालोनी, को संपन्न हुआ। जगह-जगह नगर कीर्तन का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान संगत को प्रसाद भी वितरित किया गया। कीर्तन में स्त्री सत्संग सभा की महिलाओं द्वारा शब्द कीर्तन करते हुए माहौल को भक्ति मय बनाया गया,रागी भाई हरजोत सिंह द्वारा नगर कीर्तन में शबद गुरबाणी गुर इतिहास श्रवण कराया स्वागत किया गया। वही फेयर लैस गतका टीम के गुरमत सिंह द्वारा आजाद पक्षी बाज का प्रदर्शन करते हुए लोगों को बाज के विषय में जानकारी दी।इस दौरान भारी संख्या में संगत ने सहभागिता करते हुए एक दूसरे को श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व एवं नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रदान कीं। नगर कीर्तन मार्ग गुरु हरगोबिंद साहिब स्कूल खेमपुर/ अब्दुल्ला नगर के बच्चों द्वारा अपनी कला का प्रदर्शन एवं शब्द कीर्तन किया। इस अवसर पर पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान समिति, श्री सनातन धर्म सभा गदरपुर, कम्बोज सभा गदरपुर, पंजाबी सभा गदरपुर,व्यापार मंडल गदरपुर,नगर पालिका परिषद गदरपुर शुभकामनाओं के साथ प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरु हरगोबिंदसर नवाबगंज के मुख्य सेवादार वीर अनूप सिंह, प्रचंड खालसा दल के बाबा बलकार सिंह, विधायक अरविंद पांडे ,पालिकाध्यक्ष मनोज गुंबर एवं गुंजन सुखीजा ने भी शुभकामनाएं प्रदान की।

श्रद्धा के आगे बौनी साबित हुई गरीबी

गदरपुर। गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित नगर कीर्तन के दौरान गदरपुर में आस्था और सेवा की एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने हर किसी को भावुक कर दिया। जहाँ बड़े-बड़े संस्थानों द्वारा लंगर लगाए जाते हैं, वहीं सकैनिया रोड पर एक आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार चाय का लंगर लगाकर मानवता और गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा की मिसाल पेश की। सब्जी की दुकान चलाकर गुजर-बसर करने वाले इस परिवार के सदस्य विनोद कुमार, निर्देश कुमार, सोनू, रामकिशोर, सरस्वती और कुसुम ने पूरे उत्साह के साथ संगत

को चाय का प्रसाद वितरित किया। परिवार ने बताया कि उनके मन में काफी समय से संगत की सेवा करने की इच्छा थी। इस वर्ष उन्होंने अपनी मेहनत की नेक कमाई से कुछ हिस्सा बचाकर चाय के लंगर का आयोजन किया। जब उनसे इस पहल के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने भावुक होकर कहा, गुरु गोबिंद सिंह जी ने देश और कौम की खातिर अपना सर्वस्व और पूरा परिवार कुर्बान कर दिया। उनकी उस महान कुर्बानी को नमन करते हुए हम एक छोटी सी सेवा के जरिए खुद को धन्य महसूस कर रहे हैं। राहगीरों और संगत ने भी इस परिवार के जज्बे की जमकर सराहना की। वहीं दूसरी ओर, बजर पट्टी क्षेत्र में सरदार हरभजन सिंह के परिवार द्वारा भी सेवा की अनूठी परंपरा निभाई गई। संगत के सहयोग से यहाँ दिन भर सरसों का साग, मक्का की रोटी, गुड़ और गरमा-गरम चाय के लंगर की सेवा जारी रही। कड़ाके की ठंड के बीच लोगों ने बड़ी संख्या में पहुँचकर पूरी श्रद्धा के साथ लंगर प्रसाद ग्रहण किया।

अपात्रों के राशन और आयुष्मान कार्ड निरस्त करने चलेगा अभियान

जिलाधिकारी ने तहसील दिवस में सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिये दिशा निर्देश

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। नए साल के पहले मंगलवार को जिला सभागार में जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया की अध्यक्षता में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने सख्त लहजे में कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जन समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनें और निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिस स्तर की समस्या हो, उसका समाधान उसी स्तर पर किया जाए ताकि आम जनता को अनावश्यक परेशानी न झेलनी पड़े।तहसील दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों से नई ऊर्जा और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में 'जन-जन की सरकार-जन-जन के द्वार' अभियान के तहत शिविर लगाकर मौके पर ही समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, इसलिए सभी अधिकारी इन शिविरों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें। मंगलवार को

आयोजित इस शिविर में आधार कार्ड, राशन कार्ड, बिजली और भूमि से संबंधित कुल 10 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 07 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।मामलों की सुनवाई के दौरान ग्राम बागवाला दानपुर की रीना, बिन्द्रा और मनप्रीत के आधार कार्ड तत्काल संशोधित किए गए। मानसिक रूप से पीड़ित बेटी को दिव्यांग पेंशन दिलाने की वकील अहमद की गुहार पर जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को तुरंत प्रपत्र पूर्ण कर पेंशन शुरू करने के निर्देश दिए। वहीं बीपीएल राशन कार्ड की मांग पर उन्होंने खंड विकास अधिकारी और पूर्ति अधिकारी को खुली बैठक कर अपात्रों की जांच करने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में अभियान चलाकर अपात्रों और बाहरी लोगों के राशन व आयुष्मान कार्ड निरस्त किए जाएं ताकि पात्र स्थानीय लोगों को योजनाओं का लाभ मिल सके।नहर पर अतिक्रमण और भूमि चिन्हांकन के मामलों में उन्होंने उप जिलाधिकारी और तहसीलदार को 15 दिन के भीतर जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए। इस अवसर पर जिला विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष जय किशन, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, प्रभागीय वनाधिकारी यूसी तिवारी, उप जिलाधिकारी गौरव पाण्डेय, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ केके अग्रवाल, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ आरके सिन्हा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड के 5 खिलाड़ी पहुँचे खेलो इंडिया बीच गेम्स में

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। दमन और दीव के घोघला बीच पर चल रहे खेलो इंडिया बीच गेम्स 2026 में उत्तराखंड के 5 खिलाड़ी अपना जलवा दिखाने के लिए पहुँच गए हैं। इनमें 2 पुरुष और 3 महिला खिलाड़ी शामिल हैं, जो आज से शुरू होने वाले मुकाबलों में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। उत्तराखंड पुलिस की कांस्टेबल ईशु भारती और गायत्री नेगी के अलावा तनुजा बुंगला, सुनीता भट्ट और चेतन प्रजापति इन खिलाड़ियों में शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी शुरू होने वाले मुकाबलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जिनमें ईशु भारती 50 से 55 किग्रा वर्ग और चेतन प्रजापति 70-75 किग्रा वर्ग फाइटिंग में गायत्री नेगी, तनुजा बुंगला और सुनीता भट्ट टीम रेगु इवेंट में भाग लेंगी। उत्तराखंड टीम के चीफ डे मिशन रवींद्र भंडारी और नोडल ऑफिसर अनूप बिष्ट को नियुक्त किया गया है। जबकि बब्लू दिवाकर टीम के कोच हैं। उत्तराखंड टीम के कोच और पेनचक सिलाट एसोसिएशन उत्तराखंड

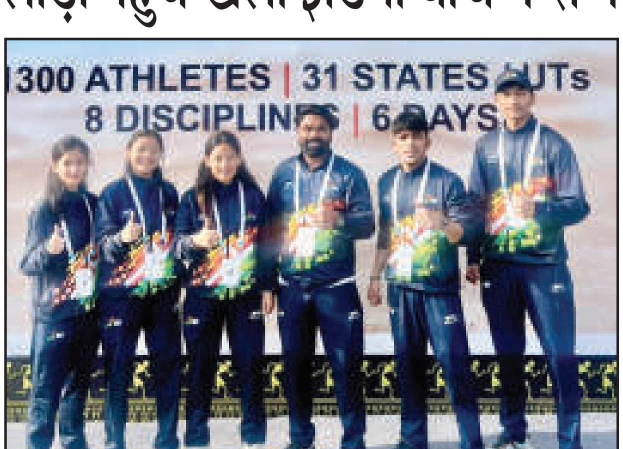

के सचिव बब्लू दिवाकर ने बताया कि यह खेलो इंडिया बीच गेम्स का दूसरा संस्करण है, जिसमें 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1300 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता में 6 प्रतिस्पर्धी खेल हैं, जिनमें बीच पेनचक सिलाट, ओपन वॉटर स्विमिंग, बीच कबड्डी, बीच वॉलीबॉल, बीच सेपक टकरॉ और बीच सॉकर शामिल हैं। इसके अलावा, बीच मलखंब और बीच टग ऑफ वॉर दो प्रदर्शन खेल भी हैं। पिछले वर्ष हुए खेलो इंडिया बीच गेम्स में उत्तराखंड टीम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 रजत और 3 कांस्य पदक जीते थे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग उत्तराखंड और पेनचक सिलाट एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों को उज्जवल भविष्य की कामना की है। ये खिलाड़ी रेत पर चल रही प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

जिला एथलेटिक लीग में होली चाइल्ड का दबदबा

तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीतकर बनाया कीर्तिमान

रूद्रपुर। उधम सिंह नगर एथलेटिक एसोसिएशन की ओर से काशीपुर स्थित एक ओंकार ग्लोबल अकैडमी में 'अस्मिता खेलो इंडिया' जिला एथलेटिक लीग 2025-26 का आयोजन किया गया। भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य 14 और 16 वर्ष से कम आयु वर्ग की बालिकाओं में खेल प्रतिभा को निखारना है। इस प्रतियोगिता में होली चाइल्ड स्कूल की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल पांच पदक अपने नाम कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता के 14 वर्ष से कम आयु वर्ग में कक्षा सातवीं की छात्रा वैदेही छिंमवाल ने ट्रायथलॉन-ए में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। वैदेही ने 60 मीटर दौड़ और ऊंची कूद में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि लंबी कूद में तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने कुल 1322 अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

इसी तरह 16 वर्ष से कम आयु वर्ग में कक्षा दसवीं की छात्रा अलीशा सामंत ने भाला फेंक में स्वर्ण और ऊंची कूद में रजत पदक जीतकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। कक्षा आठवीं की छात्रा मनरीत कौर ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक और 60 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित की। छात्राओं की इस बड़ी उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया है। संस्था के संरक्षक योगराज बत्रा, चेयरमैन रोहिताश बत्रा, वाइस चेयरमैन विकास बत्रा, प्रबंध निदेशक पूजा बत्रा, विनय बत्रा, प्रधानाचार्य मिंटू दूबे, उप-प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार जोशी, मंजू अधिकारी और शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष सुधाकर सिंह सहित समस्त स्टाफ ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

अस्पतालों की संवेदनहीनता

अस्पताल केवल ईंट-पत्थर की इमारतें या मुनाफा कमाने वाले संस्थान नहीं होते, बल्कि वे ऐसी जगहें हैं जहाँ जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे व्यक्ति को अंतिम उम्मीद के साथ लाया जाता है। यहाँ मरीज के इलाज के साथ-साथ चिकित्सकों और प्रबंधकीय कर्मियों का व्यवहार भी उतना ही महत्त्वपूर्ण होता है। किसी भी सभ्य समाज में यह अपेक्षा की जाती है कि अस्पताल मानवीय संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों का पालन करेंगे। दुर्भाग्यवश, हाल के वर्षों में निजी अस्पतालों का रवैया इस कसौटी पर बार-बार खरा उतरता नहीं दिख रहा। उत्तराखंड के हल्द्वानी में सामने आया ताजा मामला इस संवेदनहीनता का एक चिंताजनक उदाहरण है। एक निजी अस्पताल ने केवल दो घंटे के इलाज के नाम पर अस्सी हजार रुपये का बिल बना दिया। इतना ही नहीं, बिल की पूरी राशि का भुगतान न होने पर महिला का शव परिजनों को सौंपने से भी इनकार कर दिया गया। बाद में पुलिस के हस्तक्षेप से ही शव परिजनों को मिल सका। यह घटना न केवल अमानवीय है, बल्कि समाज के नैतिक मूल्यों पर भी गहरा आघात करती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आज अनेक निजी अस्पताल सेवा की भावना से अधिक मुनाफे के गणित से संचालित हो रहे हैं। इलाज अब जरूरत नहीं, बल्कि एक महँगा उत्पाद बनता जा रहा है। यही कारण है कि इलाज का पूरा भुगतान न होने पर शव रोके जाने जैसी घटनाएँ बार-बार सामने आती हैं। यह प्रवृत्ति न केवल मानवीय संवेदनाओं को कुचलती है, बल्कि चिकित्सा पेशे की गरिमा को भी ठेस पहुँचाती है। प्रश्न यह है कि क्या अस्पतालों का ऐसा व्यवहार कानूनी या नैतिक रूप से जायज ठहराया जा सकता है? हल्द्वानी के मामले में परिजनों ने अस्सी हजार रुपये के बिल में से सत्तावन हजार रुपये का भुगतान कर दिया था, फिर भी शव सौंपने से इनकार किया गया। यदि कोई मरीज या उसके परिजन इलाज के खर्च की वैध राशि देने में असमर्थ हों या विवाद हो, तो अस्पताल के पास कानूनी रास्ते खुले हैं। वह न्यायालय का सहारा ले सकता है या अन्य वैधानिक प्रक्रियाएँ अपना सकता है। लेकिन शव को बंधक बनाना न तो कानून की दृष्टि से उचित है और न ही मानवता के। मृत व्यक्ति का शव केवल एक देह नहीं होता, बल्कि वह उसके परिजनों की भावनाओं, आस्था और सम्मान से जुड़ा होता है। उसे ससम्मान सौंपना अस्पताल की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी से मुंह मोड़ना संवेदनहीनता और अनैतिकता की पराकाष्ठा है। आवश्यक है कि सरकार और नियामक संस्थाएँ इस दिशा में सख्त कदम उठाएँ। निजी अस्पतालों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जाएँ और ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, चिकित्सा पेशे से जुड़े लोगों को यह याद रखना होगा कि डॉक्टर और अस्पताल का मूल धर्म सेवा है, न कि केवल लाभ।

न्याय की आस में बेटियों का 'रक्त-संवाद'

दो सगी बहनों ने खून से पत्र लिख राष्ट्रपति से मांगा अंकिता के लिए न्याय

अल्मोड़ा/सल्ट (उद संवाददाता)। देवभूमि उत्तराखंड की शांत फिजाओं में एक ऐसी तस्वीर उभरी है जिसने समूचे तंत्र और सामाजिक चेतना को हिलाकर रख दिया है। अंकिता भण्डारी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर दो सगी बहनों ने अपने खून से महामहिम राष्ट्रपति को पत्र लिखकर व्यवस्था के विरुद्ध अब तक का सबसे कठोर प्रतिरोध दर्ज कराया है। सल्ट विधानसभा (जनपद अल्मोड़ा) की रहने वाली इन दो बेटियों के इस कदम ने सरकार और प्रशासन के संवेदनहीन रवैये पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं। खून से पत्र लिखने वाली छोटी बहन संजना, काशीपुर स्थित तारावती बालिका विद्या मंदिर में कक्षा 10 की छात्रा है। वहीं उसकी बड़ी बहन कुसुम लता बौड़ाई न केवल एक जागरूक नागरिक हैं, बल्कि वह किसान मंच की प्रदेश प्रवक्ता और पहाड़ों फाउंडेशन की अध्यक्ष के रूप में सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रही हैं। इन दोनों बहनों ने अपनी देह से खून निकालकर पत्र के माध्यम से सत्ता के गलियारों तक वह चीख पहुँचाने की कोशिश की है, जिसे अब तक अनसुना किया जाता रहा है। सत्ता की संवेदनहीनता पर कड़ा प्रहार पत्र में बहनों ने बेहद कड़े शब्दों में सवाल किया है कि जब प्रदेश की एक बेटी को न्याय नहीं मिलता, तो देश की बाकी बेटियां खुद को सुरक्षित कैसे महसूस करें? कुसुम लता बौड़ाई ने कहा कि यह पत्र केवल एक निवेदन नहीं, बल्कि उस व्यवस्था के मुंह पर तमाचा है जो अंकिता हत्याकांड के बाद से ही केवल आश्वासन के सहारे जनता को शांत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रभावशाली लोगों को संरक्षण देने और सबूतों के साथ छेड़छाड़ की आशंकाओं के बीच न्याय में हो रही देरी यह बताती है कि कानून की देवी अब भी रसूखदारों के दबाव में है। दशम श्रेणी की छात्रा संजना और उसकी बहन कुसुम का कहना है कि लंबे समय से 'जांच जारी है' जैसे जुमले सुनकर प्रदेश का जनमानस थक चुका है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंकिता की हत्या केवल एक शारीरिक कृत्य नहीं था, बल्कि वह समाज की अंतरात्मा की हत्या थी। बहनों ने चेताया कि जब बेटियां अपने खून से इंसाफ लिखने को मजबूर हो जाएं, तो समझ लेना चाहिए कि व्यवस्था वेंटिलेटर पर है। उन्होंने घोषणा की कि जब तक अंकिता को निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध न्याय नहीं मिल जाता, उनका यह संघर्ष जारी रहेगा। इस घटना ने सोशल मीडिया से लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों तक गहरी हलचल पैदा कर दी है। महिला अधिकार समूहों और नागरिक समाज ने इसे अब तक का सबसे झकझोर देने वाला विरोध प्रदर्शन बताया है। लोगों का कहना है कि यह पत्र सरकार के लिए एक कठोर आईना है। अंकिता भण्डारी को न्याय दिलाने की यह लड़ाई अब किसी एक परिवार या संगठन की नहीं, बल्कि देवभूमि की हर बेटी की अस्मिता की लड़ाई बन चुकी है। अब देखना यह है कि क्या खून से लिखी गई यह पुकार दिल्ली के रायसीना हिल्स तक पहुंच पाती है या व्यवस्था अपनी गहरी नींद में सोई रहेगी।

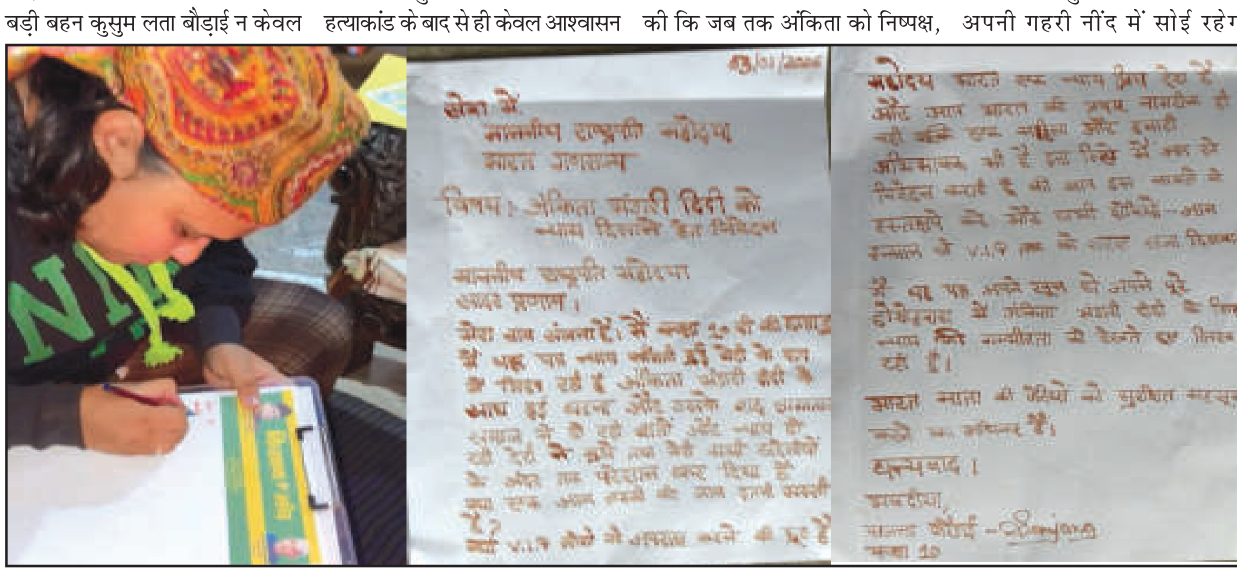

प्रकाश पर्व पर रक्तदान शिविर आयोजित

थैलेसीमिया पीड़ितों की मदद के लिए आगे आया ट्रस्ट

रूद्रपुर। दशमेश पिता गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर श्री गुरु रामदास सेवा ट्रस्ट द्वारा ग्राम केसरपुरा गुरूद्वारा में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया और कुल 45 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने किया। इस दौरान उन्होंने रक्तदान करने वाले महादानियों को सम्मानित किया और उनका हौसला बढ़ाया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राजकुमार ठुकराल ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है, क्योंकि आपका दिया हुआ रक्त किसी मरते हुए व्यक्ति को जीवनदान दे सकता है। गुरु गोविंद सिंह जी ने मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था, उनके प्रकाश पर्व पर इस तरह का सेवा कार्य करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। श्री गुरु रामदास सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिंदर सिंह चुघ ने बताया कि शिविर में एकत्रित किया गया रक्त विशेष रूप से थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि थैलेसीमिया मरीजों को हर 15 दिन में नए रक्त की आवश्यकता होती है, जिसके लिए ट्रस्ट समय-समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन कर उनकी मदद के लिए संकल्पित है। इस अवसर पर सेवा और मानवता के इस अभियान में मुख्य रूप से कर्नल सिंह नागपाल, सरबजीत सिंह कालरा, सिमंत सिंह चावला, गुरनाम सिंह, रवि सिंह और गुरचरण सिंह सहित संस्था के अनेक सेवादार और ग्रामीण मौजूद रहे।

बंद फ्लैट का ताला तोड़कर लाखों के जेवरात चोरी

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। थाना पंतनगर के अंतर्गत पॉश इलाके मेट्रोपोलिस सोसाइटी में अज्ञात चोरों ने एक बंद फ्लैट को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पार कर दी। पीड़िता ने तहरीर देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मेट्रोपोलिस सोसाइटी के टावर ए-5 (रूम नंबर-4) निवासी श्रीमती सूची तिवारी पत्नी मुकुल पांडे बीते 25 दिसंबर 2025 को शाम करीब 5:30 बजे अपने फ्लैट पर ताला लगाकर हल्द्वानी स्थित अपनी ससुराल गई थीं। जब वह वापस लौटीं, तो घर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। चोरों ने फ्लैट के भीतर दाखिल होकर अलमारी का लॉकर तोड़ दिया था। पीड़िता ने बताया कि लॉकर में रखे एक जूट के बैग में तीन अंगूठियां (एक गोल्ड, एक डायमंड और एक त्रिकोणीय मोती वाली गोल्ड रिंग), सोने के दो पेंडेंट, कान के झुमके, चांदी की पाजेब, बिछुए और करीब 3 हजार रुपये की नकदी रखी थी, जिसे चोर उड़ा ले गए। पीड़िता ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध लिखित तहरीर सौंपी। पंतनगर पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस सोसाइटी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि चोरों का सुराग लगाया जा सके। बंद फ्लैट में हुई इस चोरी से सोसाइटी के अन्य निवासियों में भी सुरक्षा को लेकर चिंता व्याप्त है।

गोविंदपुर में बहुद्देशीय शिविर 8 जनवरी को

गदरपुर (उधम सिंह नगर)। विकास खंड गदरपुर की न्याय पंचायत गोविंदपुर में आगामी 08 जनवरी 2026 (गुरुवार) को "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम एएनके इंटर कॉलेज, गूलरभोज में आयोजित होगा। खंड विकास अधिकारी गदरपुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार कार्यक्रम में नोडल अधिकारी जिला उद्यान अधिकारी उधम सिंह नगर तथा मुख्य विकास अधिकारी उधम सिंह नगर की अध्यक्षता में आयोजन प्रस्तावित है। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देना और मौके पर ही समस्याओं का समाधान करना है। खंड विकास अधिकारी ने समस्त ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों एवं जिला पंचायत सदस्यों से अपील की है कि वे स्वयं कार्यक्रम में उपस्थित रहें तथा अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर जनसमस्याओं का निस्तारण करेंगे और पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा।

गरीब बेटी की शादी के लिए लाल मोहम्मद ने बढ़ाए मदद के हाथ

गदरपुर (उद संवाददाता)। क्षेत्र में समाजसेवा के कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले मास्टर लाल मोहम्मद उर्फ लाल बादशाह ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की है। उन्होंने क्षेत्र के एक अत्यंत निर्धन परिवार की बेटी के विवाह के लिए 11,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस मानवीय कार्य की खास बात यह रही कि उन्होंने प्रचार-प्रसार से दूर रहते हुए स्वयं सामने आए बिना किसी अन्य माध्यम से यह धनराशि पीड़ित परिवार तक पहुंचाई।सामाजिक सरोकारों से जुड़े मास्टर लाल मोहम्मद द्वारा इससे पूर्व भी कई गरीब कन्याओं के विवाह में महत्वपूर्ण आर्थिक सहयोग किया जा चुका है। उनके इस निस्वार्थ सेवा भाव की पूरे क्षेत्र में चर्चा हो रही है और लोग उनकी सराहना कर रहे हैं। जब इस संबंध में उनसे संपर्क किया गया तो उन्होंने बेहद सादगी से कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना ही उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि वे यह सब किसी नाम या शोहरत के लिए नहीं बल्कि आत्मिक संतुष्टि के लिए करते हैं।

सूचना नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम IBNE HASAN (पुराना नाम) से बदलकर अब MOHD IBNE HASAN (नया नाम) कर लिया है। अत: अब से भविष्य में मुझे MOHD IBNE HASAN (नया नाम) के नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

मो. इब्ने हसन पुत्र श्री साजिद खान निवासी -ग्राम रसूलपुर, पो. ओ. पनबड़िया, तहसील- बिलासपुर, जिला रामपुर, उ.प्र.

भू-माफियाओं का आतंक, 20 लाख रंगदारी मांगने का आरोप

काशीपुर(उद संवाददाता)। जबरन कब्जा किए गए फ्लैट को छोड़ने के एवज में बिल्डर शक्ति प्रकाश अग्रवाल एवं उसके साथी सत्यम अग्रवाल पर 20 लाख रूपयों की रंगदारी मांगने का एक सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने रंगदारी के इस मामले में दोनों ही आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए मामले की गहन जांच पड़ताल शुरू कर दी। स्टेडियम रोड विनायक विला काशीपुर निवासी मनोज जैन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी पत्नी रितु जैन द्वारा वर्ष 2022 की 9 सितंबर को मोहल्ला कटोरा ताल स्थित वेदांत हाइट्स के पांचवें तल पर एक तीन बीएचके का फ्लैट मोहल्ला काजीबाग निवासी शक्ति प्रकाश अग्रवाल पुत्र मूल प्रकाश अग्रवाल से खरीदा था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह पूर्व में शक्ति प्रकाश अग्रवाल व सत्यम अग्रवाल के साथ प्रॉपर्टी डीलिंग का काम भी करता था। मनोज जैन ने बताया कि मैसर्स द रितु क्रिएशन एक पार्टनरशिप फर्म है जिसमें शक्ति अग्रवाल पार्टनर है। उसने बताया कि वेदांता हाइट्स जिसमें उसका फ्लैट वह भी ऋतु क्रिएशन द्वारा बनाया गया है। मनोज जैन ने पुलिस को बताया कि साथ में काम करने की वजह से फ्लैट की ओरिजनल सेल डीड व चाबी शक्ति प्रकाश अग्रवाल के स्पेक्ट्रम मॉल चीमा चौराहा स्थित ऑफिस में रखी रहती थी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2024 में उसका उपरोक्त दोनों से विवाद हो गया। इस कारण कार्यालय में आना-जाना भी बंद हो गया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि कुछ समय पूर्व उसे पता चला कि उसके वेदांत हाइट्स वाले फ्लैट में कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है। इस बारे में जब उसने शक्ति अग्रवाल और सत्यम अग्रवाल से बात करने का प्रयास किया तो दोनों टालमटोल करने लगे। मौके पर जाकर फ्लैट देखने की कोशिश की तो अपराधी प्रवृत्ति के लोगों द्वारा धमकाया गया। बारीकी से जानकारी लेने पर पता चला की शक्ति अग्रवाल एवं सत्यम अग्रवाल द्वारा फ्लैट पर जबरन कब्जा करने को लेकर धोखाधड़ी व षड्यंत्र के तहत कुछ अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को उसमें रहने के लिए दे दिया गया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि शक्ति अग्रवाल व सत्यम अग्रवाल ने फ्लैट में जाने पर उसे उसी में दफन करने की धमकी दी है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2024 में उसके फ्लैट पर अवैध कब्जा करने को लेकर एक अन्य व्यक्ति को भी उपरोक्त दोनों द्वारा फ्लैट देने का प्रयास किया गया था। उसने यह भी बताया कि इसी साल बकाए के पैसे मांगने पर उपरोक्त दोनों द्वारा उसकी बुरी तरह पिटाई की गई थी लेकिन दबदबा व राजनैतिक रसूख के कारण उसने कोई कानूनी कार्यवाही नहीं की। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि दोनों आरोपी प्रॉपर्टी डीलर अपराधी और बदमाश किस्म के है। मनोज जैन ने पुलिस को बताया कि सेल डीड व फ्लैट पर कब्जे के नाम पर उपरोक्त दोनों द्वारा 20 लाख रूपयों की रंगदारी मांगी जा रही है। पुलिस ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए उपरोक्त दोनों प्रॉपर्टी डीलरों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला पंजीकृत करते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी। बता दें पखवाड़े भर पूर्व पालिका अध्यक्ष शमशुद्दीन ने भी पत्रकार वार्ता के दौरान प्रॉपर्टी डीलर शक्ति अग्रवाल पर अवैध रूप से जमीन कब्जा करने व तोड़-फोड़ के गंभीर आरोप लगाए थे। पूर्व पालिका अध्यक्ष शमसुद्दीन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि रामनगर रोड पर प्रतापपुर में उनकी एक जमीन है जिस पर अवैध कब्जा करने के लिए भू-माफिया शक्ति अग्रवाल द्वारा रात के अंधेरे में लगभग 200 लोगों को लेकर जेसीबी मशीन व डंपर ट्रैक्टर ट्रालियों से उनकी चहारदीवारी को ध्वस्तकार मलवा मौके से गायब कर दिया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष की तानाशाही से पत्रकार प्रेस परिषद में बगावत

कई पदाधिकारियों ने छोड़ा संगठन,जल्द होगा नए राष्ट्रीय संगठन का शंखनाद

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पत्रकार प्रेस परिषद के भीतर चल रही खींचतान अब एक बड़े विद्रोह में बदल गई है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आसिफ अली पर तानाशाही और मनमाने रवैये का आरोप लगाते हुए उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश के तमाम पदाधिकारियों ने सामूहिक इस्तीफे देकर संगठन से नाता तोड़ लिया है। वरिष्ठ पत्रकार और प्रदेश अध्यक्ष अशोक गुलाटी के समर्थन में शुरू हुआ यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है, जिससे संगठन दोनों राज्यों में पूरी तरह से बिखरता नजर आ रहा है। बता दें अशोक गुलाटी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की कार्यशैली से क्षुब्ध होकर सबसे पहले राष्ट्रीय सचिव, उत्तराखण्ड प्रदेश अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश प्रभारी जैसे महत्वपूर्ण पदों से त्यागपत्र दिया था। उनके इस कदम के बाद मंगलवार शाम रूद्रपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें इस्तीफों की झड़ी लग गई। बैठक में प्रदेश महामंत्री जगदीश चन्द्र, वरिष्ठ उपाध्यक्ष परम पाल सुखीजा, जिलाध्यक्ष नरेन्द्र राठौर, जिला महामंत्री महेन्द्र पोपली और महानगर अध्यक्ष अमन सिंह सहित कई पदाधिकारियों ने एक सुर में संगठन छोड़ने का ऐलान कर दिया। अशोक गुलाटी ने इस दौरान आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन अब पत्रकारों के हितों के बजाय निजी हितों और तानाशाही का केंद्र बन गया है। उन्होंने जल्द ही राष्ट्रीय स्तर पर एक नए और सशक्त पत्रकार संगठन की घोषणा करने की बात कही, जो पूरी ईमानदारी से पत्रकारों की समस्याओं और उनके सम्मान के लिए कार्य करेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि वे जल्द ही राष्ट्रीय अध्यक्ष आसिफ अली के कार्यों और उनके द्वारा किए गए कारनामों का कच्चा चिट्ठा सार्वजनिक करेंगे। संगठन छोड़ने वालों में न केवल उत्तराखंड बल्कि उत्तर प्रदेश की बड़ी इकाइयां भी शामिल हैं। इस्तीफे देने वालों में एडवोकेट शैलेंद्र नगाइच उत्तर प्रदेश संरक्षक,यासीन अंसारी प्रदेश सचिव, बिजनौर मंडल प्रभारी विनय भार्गव,खटीमा अध्यक्ष विकासशील ,टनकपुर अध्यक्ष शिवम, रानीखेत अध्यक्ष संदीप पाठक, पीलीभीत जिला अध्यक्ष ममता शील ,नदीम हुसैन कार्यकारिणी सदस्य उत्तर प्रदेश, राजू सक्सेना महामंत्री पीलीभीत, नवनीत अध्यक्ष सितारगंज,नानकमत्ता अध्यक्ष अनिल सागर,प्रदीप श्रीवास्तव अध्यक्ष जसपुर,अभिनव मिश्रा बदायूं जिला अध्यक्ष,उत्तराखंड संरक्षक वरिष्ठ पत्रकार अविंकल थपलियाल, अनिल शर्मा, एडवोकेट उमेश जोशी, पिथौरागढ़ जिलाध्यक्ष ओपी आवस्थी, नैनीताल के उर्वादत्त भट्ट,धामपुर जिलाध्यक्ष शाकिर अंसारी, सलीम उर्फ नजम सिद्दीकी तहसील अध्यक्ष धामपुर आदि समेत तमाम पदाधिकारी और सदस्य शामिल हैं। खटीमा, टनकपुर, सितारगंज, नानकमत्ता और जसपुर सहित कई स्थानों पर संगठन की पूरी टीम ने अशोक गुलाटी के नेतृत्व में नए संगठन में शामिल होने का संकल्प लिया है।

360 ग्रामीणों ने उठाया सरकारी योजनाओं का लाभ

विद्युत कटौती और नंधौर नदी से भू-कटाव के समाधान की उठी मांग

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। धामी सरकार की जनसेवा पहल के अंतर्गत नैनीताल जनपद के विकासखंड हल्द्वानी की न्याय पंचायत लाखनमंडी में 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' बहुद्देशीय शिविर का भव्य आयोजन किया गया। इस शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उमड़े, जहाँ लगभग 360 लोगों ने विभिन्न सरकारी सेवाओं का सीधा लाभ उठाया। प्रशासन की मुस्तैदी के चलते शिविर में प्राप्त हुई 110 शिकायतों का अधिकारियों द्वारा मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया।शिविर में मुख्य रूप से क्षेत्रीय नागरिकों को राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई और पात्र लाभार्थियों को इन योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया गया। विभिन्न विभागों से आए अधिकारियों ने विभागीय स्टालों के माध्यम से जनता को जागरूक किया। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में हो रही भारी विद्युत कटौती की समस्या को प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने अवगत कराया कि सितारगंज से विद्युत आपूर्ति होने के कारण क्षेत्र में अक्सर बिजली गुल रहती है, जिसके स्थायी समाधान की मांग की गई। इस पर विद्युत विभाग के अधिकारियों को ठोस कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों ने खराब सड़कों, वन्यजीवों द्वारा फसलों को पहुँचाए जा रहे नुकसान, पेयजल संकट और नंधौर नदी से होने वाले भू-कटाव को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम करने की मांग रखी, जिसके निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया।जनता को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से चिकित्सा विभाग द्वारा लगाए गए स्टाल में 216 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। इसी क्रम में होम्योपैथी विभाग द्वारा 75 और आयुर्वेदिक विभाग द्वारा 112 लोगों की जांच कर उपचार दिया गया। अन्य विभागों की सक्रियता भी शिविर में देखने को मिली, जिसमें पूर्ति विभाग ने 22 राशन कार्ड अपडेट किए, पंचायती राज विभाग ने 18 परिवार रजिस्टर की नकल जारी की और उद्यान विभाग ने 17 काश्तकारों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया।बाल विकास विभाग की ओर से 16 लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिया गया, जबकि राजस्व विभाग ने 4 विभिन्न प्रमाण पत्र जारी किए। समाज कल्याण विभाग द्वारा 19 पेंशन आवेदन भरवाए गए और श्रम विभाग ने 9 श्रम कार्ड अपडेट किए। कार्यक्रम में लालकुआं विधायक डॉ मोहन सिंह बिष्ट, उत्तराखंड सरकार में दायित्वधारी रेनू अधिकारी, उप जिलाधिकारी राहुल शाह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लाखों की स्मैक सहित तस्कर को किया गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। पुलिस ने नशे के काले कारोबार में लिप्त एक नशा तस्कर को 82 लाख से अधिक कीमत की स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन को साकार करने हेतु डॉ0 मंजूनाथ टीसी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में मादक पदार्थों की बिक्री व तस्करी की रोकथाम हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। थानाध्यक्ष काठगोदाम विमल कुमार मिश्रा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा विशेष चेकिंग अभियान के दौरान कुंवरपुर गौला पुल बाईपास रोड के पास चौकिंग के दौरान मोटरसाइकिल संख्या यूके 18 आर 6945 को रोककर चौक किये जाने पर उस पर सवार एक व्यक्ति के कब्जे से भारी मात्रा में स्मैक बरामद किया गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता मंजीत सिंह पुत्र सन्तोख कौर निवासी टुकड़ी थाना नानकमत्ता उधमसिंहनगर बताया। उसने बताया कि वह नानकमत्ता से स्मैक लाकर हल्द्वानी में अधिक लाभ प्राप्त करने हेतु बेचने की फिराक में था। पुलिस नके अनुसार मंजीत सिंह के विरूद्ध पूर्व में जनपद पिथौरागढ़ में एनडीपीएस अधिनियम पंजीकृत है, जिसमें वह जेल जा चुका है। तलाशी के दौरान उसके पास से कुल 275 ग्राम स्मैक बरामद हुई। जिसकी अनुमानित कीमत 82 लाख 50 हजार बताई जा रही है। पुलिस टीम में उ0नि0 दिलीप कुमार, का0 भानु प्रताप, सुरेन्द्र व प्रेम प्रकाश शामिल थे।

पेज एक का शेष...

कांग्रेस के दुष्प्रचार पर ...है तो कभी आत्महत्या बताया जा रहा है। जबकि जांच में जो कुछ भी निकलकर आया है, वह बिल्कुल साफ है।पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री ने अपने विरोधियों को बिल्कुल शायराना अंदाज में निशाने पर लिया । उन्होंने कहा कि जो माहौल राज्य में बनाया जा रहा है, वह जल्द सही हो जाएगा। बादल हटेंगे, कोहरा हटेगा, एक बार फिर से सूरज निकलेगा। सीएम धामी ने कहा कि, अंकिता हमारी बेटी है और इस मामले में हमने जितनी तेजी से कार्रवाई की है, उसको सबने देखा है। मुख्यमंत्री ने यह भी साफ कहा है कि यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी इसी तरह की ऑडियो क्लिप पेपर लीक मामले में सामने आई थी। एक बार फिर से इसी तरह की ऑडियो सामने आई है। पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री ने इस जघन्य हत्याकांड पर अपनी सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि मै स्वयं अंकिता भंडारी के माता पिता से मिलूंगा और पूरे प्रकरण मे उनका मत जानूंगा, उसके बाद जो वो कहेंगे वो फैसला लूँगा" ।सीएम ने आगे कहा कि अंकिता के माता पिता की राय पर जो भी कानूनी प्रक्रिया होगी उस पर अध्ययन करने के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा, हम हर जांच के लिए तैयार हैं।सीएम ने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि विपक्ष इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति कर प्रदेश में माहौल खराब करने का प्रयास कर रहा है।

डायनिमिक गार्डन...करीब छह माह पूर्व सुधीर गुलाटी ने भरोसा दिया था कि यदि मार्च 2025 तक रजिस्ट्री नहीं हो पाई, तो वे वर्तमान बाजार दर के हिसाब से प्लॉट की कीमत या खरीद राशि का दोगुना पैसा वापस करेंगे। आरोप है कि अब बिल्डर उनका फोन तक नहीं उठा रहे हैं। पीड़ितों ने बताया कि उन्होंने 15 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से, 50 हजार रुपये फोन पे और शेष 12 लाख 61 हजार रुपये नकद रूप में धीरज शर्मा और राजीव तिवारी के माध्यम से कंपनी को दिए थे। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब न प्लॉट मिला और न ही पैसा, तो पीड़ितों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर सुधीर गुलाटी और मनीष अग्रवाल के विरुद्ध मामला पंजीकृत कर लिया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक संतोष कुमार द्वारा की जा रही है।

भागवत कथा वाचक...उन्हें रोककर सीधा फायर झोंक दिया। जैसे ही फायर मिस हुआ, रामचंद्र राय ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इस पर बदमाशों ने उनका मुंह दबाकर उन्हें सड़क किनारे खाई में गिरा दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। रामचंद्र राय ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन पर पहले भी हमले हो चुके हैं। कुछ दिन पूर्व सिडकुल फेस-2 क्षेत्र में उनके साथ अभद्रता की गई थी और एक वर्ष पूर्व भी उन पर हमला हुआ था। उन्होंने बताया कि इन सभी घटनाओं की जानकारी उन्होंने स्थानीय पुलिस और खुफिया विभाग को मौखिक रूप से दी थी, लेकिन उचित सुरक्षा न मिलने के कारण बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठन रामचंद्र राय के आवास पर जुटने लगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने ऊधम सिंह नगर के एसएसपी मणिकांत मिश्रा से वार्ता की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आरोपियों को तत्काल चिन्हित कर सलाखों के पीछे भेजा जाए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़ित का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है और कोतवाली सितारगंज में अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही हमलावर गिरफ्तार नहीं हुए तो वे आंदोलन को बाध्य होंगे। फिलहाल, पुलिस की टीमें संदिग्धों की तलाश में जुटी हैं।

अग्निकांड में ... की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। प्रभावित तीनों परिवारों को फौरी राहत के तौर पर प्रति परिवार 5,000 रुपये नकद, 2 कंबल और 1 तिरपाल वितरित किए गए हैं। प्रशासन द्वारा नुकसान का विस्तृत आकलन किया जा रहा है ताकि पीड़ितों को उचित मुआवजा दिलाया जा सके। मोरी क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से आग का साया मंडरा रहा है। गौर हो कि अभी कुछ दिन पहले 29 दिसंबर को भी मोरी के सट्टा गांव में भीषण आग लगी थी, जिसमें चार घर जल गए थे और एक बुजुर्ग की जिंदा जलने से मौत हो गई थी। बार-बार हो रही इन घटनाओं ने पहाड़ी गांवों में अग्नि सुरक्षा और बिजली की लाइनों के रखरखाव पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ज्वलंत मुद्दों पर ...अतिक्रमणकारी बताकर उनके खिलाफ मुहिम चला रही है। जबकि करीब 28 विभाग ऐसे लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दे रहे हैं। वनभूमि पर बसे लोगों को आज तक भूमि अधिकार नहीं मिल पाये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था लचर अवस्था में पहुंच गई है। लूट, हत्या, डकैती, बलात्कार, नशा कारोबार, खनन आदि अपराध लगातार बढ़ते जा रहे है। श्री कापड़ी ने कहा कि अनेक संगीन मामलों में भाजपा के जनप्रतिनिधि व पदाधिकारियों पर भी आरोप लगाये गये हैं। निश्चित रूप से ऐसे आरोपियों को सरकार का संरक्षण मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच की लगातार मांग कर रही है। ताकि दोषियों को सजा मिल सके । लेकिन भाजपा सरकार इससे पीछे हट रही है। श्री कापड़ी ने कहा कि जब संविधान की धाराएं बदलने के लिए लोकसभा का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है तो प्रदेश के ज्वलंत जन मुद्दों पर चर्चा के लिए सत्र क्यों नहीं बुलाया जा सकता? उन्होंने कहा कि अंकिता को न्याय दिलाने के लिए जनमानस द्वारा की जा रही सीबीआई जांच की मांग का कांग्रेस समर्थन कर आन्दोलन कर रही है। वार्ता के दौरान महानगर अध्यक्ष ममता रानी, महिला कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष मीना शर्मा, संदीप चीमा, सीपी शर्मा, संजीव रस्तोगी, अर्जुन विश्वास, उमा सरकार, अनिल शर्मा, योगेश चौहान आदि भी मौजूद थे।

संदिग्ध हालातों ... वापस आयी तो कमरा अंदर से बंद देख उसने दरवाजा खटखटाया, परंतु कोई जवाब नही मिला। जिस पर जब खिड़की से अंदर झांका तो युवक को दुपट्टे के फंदे पर लटका देख उसके होश उड़ गए। उसके हल्ला मचाने पर मकान मालिक जमीला बेगम के पुत्र नाजिर ने वहां आकर कमरे का दरवाजा तोड़ दिया। वहां मौजूद लोग उसे सीएचसी ले गए।जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर बारीकी से निरीक्षण किया और आवश्यक जानकारी लेने के बाद शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भिजवा दिया। रात को सूचना मिलने पर मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस सूत्रों की मानें तो मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक प्रकाश सिंह दानू ने कहा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मृत्यु का कारण स्पष्ट होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

महापौर की पहल.... था कि शोर के कारण स्कूली बच्चों की पढ़ाई में भारी व्यवधान उत्पन्न हो रहा है, साथ ही बुजुर्गों और गंभीर मरीजों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जनहित के इस संवेदनशील मामले का तुरंत संज्ञान लेते हुए महापौर विकास शर्मा ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा से वार्ता की और शहर में शांति व्यवस्था एवं मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त अभियान चलाने को कहा।महापौर के हस्तक्षेप के बाद एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने अधीनस्थों को उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के तहत कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके बाद कोतवाली पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने खेड़ा स्थित चांद मस्जिद, सीरगोटिया मस्जिद और पहाड़गंज स्थित विभिन्न मस्जिदों में सघन चेकिंग की। जाँच के दौरान जहाँ भी लाउडस्पीकर निर्धारित डेसिबल की सीमा से ऊपर पाए गए, उन्हें तत्काल मौके पर उतरवा दिया गया।कार्रवाई के दौरान उपनिरीक्षक अनिल जोशी, नगर निगम के जेई शिखर ओझा, जसवीर आदि समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यवाही के उपरांत महापौर विकास शर्मा ने कड़ा संदेश देते हुए कहा कि धार्मिक आस्था का सम्मान है, लेकिन नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन स्थलों पर कार्रवाई की गई है, उन्हें पूर्व में भी नोटिस दिए गए थे, लेकिन चेतावनी के बावजूद ध्वनि विस्तारक यंत्रों की आवाज कम नहीं की जा रही थी। उन्होंने त्वरित सहयोग के लिए एसएसपी मणिकांत मिश्रा का आभार भी व्यक्त किया। महापौर ने दोहराया कि प्रशासन की यह मुहिम किसी धर्म विशेष के विरुद्ध नहीं बल्कि ध्वनि प्रदूषण के विरुद्ध और नागरिकों की सुविधा के लिए है।

कार खाई में ....रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद अंधेरे में टॉर्च की रोशनी के सहारे सभी घायलों को खाई से बाहर निकाला गया। उन्हें तत्काल 108 एंबुलेंस के माध्यम से बीडी पांडे जिला चिकित्सालय नैनीताल भेजा गया, जहाँ चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार की गति काफी अधिक थी और चालक लगातार अन्य वाहनों को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था। नैनीताल के सीओ रविकांत सेमवाल ने बताया कि सभी घायल रामपुर के रहने वाले हैं। पुलिस दुर्घटना के कारणों की गहनता से जांच कर रही है और घायलों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर (उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

अंकिता मामले में भाजपा नेता दुष्यंत गौतम को राहत

दिल्ली हाईकोर्ट ने विवादित वीडियो हटाने का दिया आदेश,राजनीतिक लाभ के लिए बदनाम करने का आरोप

नई दिल्ली(उद संवाददाता)। दिल्ली हाईकोर्ट ने उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर सोशल मीडिया पर चल रहे भ्रामक प्रचार पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम का नाम इस मामले से जोड़ने वाले तमाम वीडियो और कंटेंट को 24 घंटे के भीतर हटाने का आदेश दिया है। जस्टिस मिनी पुष्करणा की पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि संबंधित उपयोगकर्ता इसे नहीं हटाते हैं, तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्वयं इन वीडियो को ब्लॉक या डिलीट करें। सुनवाई के दौरान दुष्यंत गौतम की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने दलील दी कि उनके मुवक्किल को जानबूझकर इस संवेदनशील मामले में घसीटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंकिता भंडारी मामले की लंबी जांच और ट्रायल के दौरान कभी भी दुष्यंत गौतम का नाम सामने नहीं आया। यहाँ तक कि ट्रायल कोर्ट इस मामले में अपना फैसला सुनाते हुए दोषियों को उम्रकैद की सजा भी दे चुकी है। भाटिया ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दलों के अकाउंट्स के माध्यम से एक झूठा नैरेटिव तैयार कर याचिकाकर्ता की पिछले 40 वर्षों की बेदाग राजनीतिक छवि को धूमिल करने की कोशिश की जा रही है। दुष्यंत गौतम ने अपनी याचिका में बताया कि 24 दिसंबर 2025 को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया गया, जिसमें उन्हें अंकिता मामले से जोड़कर अनर्गल आरोप लगाए गए। याचिका में कहा गया कि यह पूरी तरह 'फेक न्यूज' की श्रेणी में आता है और इसके पीछे राजनीतिक लाभ लेने की मंशा है। गौरतलब है कि इस मामले में हाल ही में एक वीडियो क्लिप

सामने आई थी, जिसमें उर्मिला सनावर और पूर्व विधायक सुरेश राठौर के बयानों का हवाला दिया गया था। हालांकि, बाद में सुरेश राठौर ने स्पष्ट किया था कि वह वीडियो क्लिप 'एआई' (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) द्वारा निर्मित थी और उन्हें व उनकी पार्टी को बदनाम करने के लिए जारी की गई थी। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए निर्देश दिया कि भविष्य में भी यदि ऐसा कोई कंटेंट दोबारा अपलोड किया जाता है, तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तत्काल इसकी सूचना याचिकाकर्ता को दें ताकि वे आवश्यक कानूनी कदम उठा सकें। बता दें कि इस दुष्प्रचार को लेकर उत्तराखंड पुलिस भी सक्रिय है और उर्मिला सनावर व सुरेश राठौर के खिलाफ विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज कर जांच कर रही है। बता दें सितंबर 2022 में ऋषिकेश के एक रिजॉर्ट में 19 वर्षीया रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी की हत्या कर दी गई थी। जांच में सामने आया था कि रिजॉर्ट मालिक पुलकित आर्य ने अंकिता पर एक 'वीआईपी' मेहमान को विशेष सेवाएं देने का दबाव बनाया था। इस मामले में पुलकित आर्य और उसके दो साथियों को कोर्ट पहले ही उम्रकैद की सजा सुना चुका है। अब राजनीतिक गलियारों में उस 'वीआईपी' के नाम को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच दुष्यंत गौतम ने कानूनी रास्ता अपनाते हुए अपने नाम के दुरुपयोग पर यह रोक लगवाई है।

मेयर की बड़ी पहल: अब व्हाट्सएप पर बताइए समस्या, घर बैठे होगा समाधान

मेयर बोले-वार्ड की समस्या बताइए, समाधान में कराऊंगा, समस्याओं से मुंह मोड़ना नहीं, उनका समाधान करना मेरी पहली प्राथमिकता

रुद्रपुर। नगर निगम क्षेत्र में बेहतर नगर प्रबंधन और जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए मेयर विकास शर्मा ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का समाधान वार्ड स्तर पर नहीं हो रहा तो जनता अपनी समस्याओं को सीधे व्हाट्सएप के माध्यम से उन्हें भेज सकते हैं। यह व्यवस्था उन लोगों के लिए खास राहत लेकर आई है जो नगर निगम कार्यालय जाने में संकोच करते हैं या समयाभाव के कारण अपनी शिकायतें दर्ज नहीं करा पाते। मेयर शर्मा ने कहा कि नगर निगम के 40 वार्डों में नालियों, सड़क, सफाई, बिजली-पानी, स्ट्रीट लाइट, कूड़ा संग्रहण जैसी समस्याओं का समाधान अब और अधिक प्रभावी ढंग से किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि किसी नागरिक की शिकायत का समाधान स्थानीय स्तर पर नहीं होता है, तो वह सीधे उन्हें समस्या व्हाट्सएप पर भेज सकता है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि समस्या भेजते समय अपना नाम, मोबाइल नंबर, गली/ कॉलोनी एवं वार्ड नंबर अवश्य लिखें। इससे शिकायत का लोकेशन स्पष्ट होगा और संबंधित विभाग को मौके पर भेजकर समय रहते समाधान कराया जा सकेगा। मेयर ने कहा, "मेरी पहली प्राथमिकता जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान कराना है। समस्या से मुंह मोड़ना प्रशासनिक कार्यसंस्कृति नहीं है। यदि किसी की समस्या मेरे संज्ञान में आती है, तो कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।" उन्होंने बताया कि कई लोग कार्यालय आने में झिझकते हैं, जिसके कारण वार्ड की समस्याएं महीनों तक अटकी रहती हैं। इसी को देखते हुए व्हाट्सएप आधारित शिकायत प्रणाली शुरू की गई है। इसका उद्देश्य शिकायत निवारण को पारदर्शी, सरल और त्वरित बनाना है। मेयर ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र का संपूर्ण विकास तभी संभव है जब नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुना जाए और तत्काल कार्रवाई हो। उनकी इस नई डिजिटल पहल से नगर निगम की कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव आएगा और सेवाएं आम नागरिक तक तेजी से पहुंचेंगी। मेयर के इस कदम से नगर की कार्यपद्धति को तेज गति देगी और रोजमर्रा की समस्याओं का निराकरण शीघ्र होगा। मेयर विकास शर्मा की यह पहल रुद्रपुर को एक अधिक जिम्मेदार, तकनीकी रूप से सक्षम और जनहितकारी नगर प्रबंधन प्रणाली की ओर ले जाने का प्रयास है।

RUDRAPUR - 9927882338, Sony Center- 9927396666, KASHIPUR - Ramnagar Road 8791989500, Cheema Chauraha 9927813555, HALDWANI- Tikonia 9997207007, Pilikothi 9690256666, 8126564216, HARIDWAR - 9761699704, MORADABAD - Civil Lines-7500839146, GEE AAR Elc. 9719077772, GADARPUR - Gurunanak Enterprises, 9927850999, KICHHA - Deepak Eletronics 7017575920, ALMORA - Gupta Electronics 7895887544, LALKUAN - New Radhe Radhe 8923493000, PITHORAGHRH - Shiva Enterprises 9760633187, LOHAGHAT - 9568035735, PANIPAT - 8607964000, KARNAL- 8684077000.

पंतनगर में जयकारों से गुंजायमान हुआ हनुमान मंदिर

भाजपा नेता अजय तिवारी के 108 सुंदरकांड पाठ के संकल्प में आयोजित हुआ

पंतनगर। किच्छा विधानसभा क्षेत्र में 108 सुंदरकांड पाठ के संकल्प के क्रम में मंगलवार को भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी सहित स्थानीय श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सुंदरकांड पाठ के दौरान मंदिर प्रांगण भक्ति, आध्यात्मिक ऊर्जा और श्रद्धा से परिपूर्ण हो उठा। भक्तों ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड के चौपाइयों का पाठ करते हुए भगवान श्रीराम और बजरंगबली से क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। यहां उल्लेखनीय है कि अयोध्या में श्रीराम

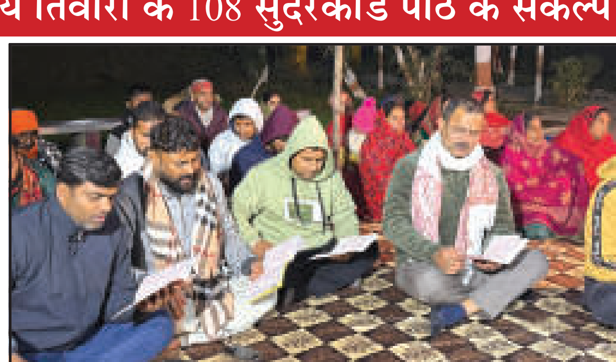

मंदिर के शिखर पर भव्य ध्वज फहराए जाने के पावन अवसर से प्रेरित होकर वरिष्ठ भाजपा नेता अजय तिवारी ने पंतनगरकिच्छा विधानसभा की खुशहाली के लिए 108 सुंदरकांड पाठ आयोजित कराने का संकल्प लिया है। इसी संकल्प के तहत क्षेत्र में प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को यह धार्मिक अनुष्ठान करवाया जा रहा है। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालु अजय तिवारी ने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि यह श्रृंखला न केवल धार्मिक वातावरण को प्रबल कर रही है, बल्कि समाज में एकता, शांति और भक्ति की धारा को भी मजबूत कर रही है। मंदिर परिसर में आयोजन देर तक आध्यात्मिक उल्लास के साथ चलता रहा। अजय तिवारी द्वारा लिया गया यह संकल्प पंतनगरखकिच्छा क्षेत्र में धार्मिक चेतना शुभ जा रहा है।

जबलपुर में उत्तराखंड हॉकी टीम की कमान संभालेंगे झा कालेज के अर्पित

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। पीएम श्री अटल उत्कृष्ट आदित्यनाथ झा राजकीय इंटर कॉलेज के छात्र अर्पित कुमार ने विद्यालय और जनपद का नाम रोशन किया है। अर्पित का चयन स्कूल फेडरेशन गेम ऑफ इंडिया के अंतर्गत होने वाली राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जहां वह उत्तराखंड की टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। कक्षा 12वीं के होनहार खिलाड़ी अर्पित कुमार इससे पूर्व भी कई बार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं। आगामी राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता का आयोजन 10 जनवरी से मध्य प्रदेश के जबलपुर में किया जाएगा। अर्पित के चयन और उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी की लहर है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य दयाशंकर पांडेय ने अर्पित को बधाई देते हुए कहा कि ग्रामीण प्रतिभाओं का राष्ट्रीय स्तर पर चमकना गर्व की बात है। इस अवसर पर गिरीश चंद्र शर्मा, गोविंद सिंह बिष्ट और जगदीश भट्ट सहित समस्त शिक्षकों और कर्मचारियों ने अर्पित के उत्कृष्ट प्रदर्शन और उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।